सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

जीवन किसी से बंधा नहीं होता....
लेकिन फिर भी एक दूसरे से बांधे रखती है
भावनाएं, आशाएं और विश्वास...!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–56 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 17 मार्च 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

UNITED STUDIES
MBBS CONSULTANTS
MBBS ADMISSIONS
(INDIA & ABROAD)
99933-26455 / 97553-66243
235, 236, 2nd Floor, Ghasidas Plaza, Aamapara, GE Road, Raipur, CG 492001

पश्चिम बंगाल चुनाव 2026 : भाजपा की पहली सूची से चढ़ा राजनीतिक सियासी पारा

विशेष संवाददाता संदीप सिंह / कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर सियासी जंग अब तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार (16 मार्च) को 144 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर चुनावी रणभेरी बजा दी है। इस सूची में कई बड़े और चर्चित चेहरों को मैदान में उतारते हुए भाजपा ने साफ संकेत दिया है कि इस बार मुकाबला बेहद आक्रामक और रणनीतिक होने वाला है।

सबसे बड़ा राजनीतिक दांव पार्टी ने वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी पर लगाया है। उन्हें उनकी पारंपरिक सीट नंदीग्राम के साथ-साथ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के गढ़ भवानीपुर से भी चुनाव मैदान में उतारा गया है। इसे भाजपा का बड़ा 'मनोवैज्ञानिक दांव' माना जा रहा है, जिसके जरिए पार्टी सीधे मुख्यमंत्री को उनके ही क्षेत्र में चुनौती देना चाहती है।

अनुभवी और चर्चित चेहरों को मौका

: पहली सूची में कई वरिष्ठ और प्रभावशाली नेताओं को भी टिकट दिया गया है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष को खड़गपुर सदर से मैदान में उतारा गया है, जबकि पूर्व राज्यसभा सांसद स्वपन दासगुप्ता को कोलकाता की रासबिहारी सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। इसके अलावा

144 उम्मीदवारों का ऐलान, ममता के गढ़ भवानीपुर में शुभेंदु अधिकारी को उतारकर बड़ा दांव

भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल को आसनसोल दक्षिण से फिर मौका मिला है। वहीं अभिनेता से नेता बने रुद्रनील घोष को शिवपुर (हावड़ा) से टिकट दिया गया है। क्रिकेट की दुनिया से राजनीति में आए पूर्व भारतीय क्रिकेटर अशोक डिंडा को मोयना विधानसभा सीट से चुनावी मैदान में उतारा गया है।

महिलाओं और युवाओं को मौका

भाजपा की पहली सूची में 11 महिला उम्मीदवारों को भी जगह दी गई है। पार्टी ने 41 मौजूदा विधायकों को दोबारा टिकट देकर अनुभव और संगठनात्मक मजबूती का संतुलन बनाने की कोशिश की है। साथ ही कई मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं और युवा चेहरों को भी मौका दिया गया है।

उत्तर बंगाल और आरक्षित सीटों पर फोकस

पहली सूची में उत्तर बंगाल की सीटों और अनुसूचित जाति-जनजाति के लिए आरक्षित क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है। पार्टी का मानना है कि इन इलाकों में उसका जनाधार मजबूत है और यही क्षेत्र चुनावी समीकरण बदल सकते हैं।

दो चरणों में होगा चुनाव

पश्चिम बंगाल में इस बार मतदान केवल 23 अप्रैल और 29 अप्रैल 2026 को दो चरणों में होगा, जबकि परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे। उधर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस भी 294 सीटों में से 192 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। ऐसे में बंगाल का चुनावी रण अब पूरी तरह गरमा चुका है और आने वाले दिनों में सियासी मुकाबला और तीखा होने की संभावना है।

संगठन पर भरोसा, स्टार राजनीति से दूरी

2021 के चुनाव से सबक लेते हुए भाजपा ने इस बार बाहरी चेहरों और दलबदलुओं के बजाय अपने जमीनी कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दी है। साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले उम्मीदवारों को टिकट देकर पार्टी 'अंत्योदय' और संगठन आधारित राजनीति का संदेश देना चाहती है।

अफीम की खेती करने वाले को भाजपा बचा रही–सुशील आनंद

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि प्रदेश में अफीम की खेती में भाजपा का पूरा शीर्ष नेतृत्व शामिल है। दुर्ग में अफीम खेती का सरगना विनायक ताम्रकार के भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ मधुर संबंध थे।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रभारी अजय जामवाल, बीएल संतोष, केन्द्रीय मंत्री तोखन साहू, केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, दुर्ग सांसद विजय बघेल, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, गृह मंत्री विजय शर्मा भाजपा संगठन के दर्जनों नेताओं के साथ उसकी फोटो तथा भाजपा के कार्यक्रमो में उसकी सक्रिय सहभागिता बताती है। अफीम की खेती के पीछे विनायक ताम्रकार एक छोटा मोहरा है। असली में पूरी भाजपा को उसका संरक्षण मिला हुआ है। इस काले धंधे में सभी शामिल थे।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि राज्य में अफीम की खेती की निष्पक्ष जांच होनी चाहिये। बिना सरकार के संरक्षण के पूरे प्रदेश में नशे का इतना बड़ा कारोबार संभव नहीं है। भाजपा ने विनायक ताम्रकार को केवल निलंबित किया है, निष्कासित नहीं। उसे कौन बचा रहा है ? विनायक ताम्रकार पुलिस ने मुख्य अभियुक्त क्यों नहीं बनाया, सरकार उसे क्यों बचा रही है ? बलरामपुर में अफीम की खेती करने वाले को भाजपा के किस नेता का संरक्षण था, जनता जानना चाहती है ? बलरामपुर में तो जिस जमीन पर अफीम की खेती हो रही थी, गिरदावरी में वहाँ अन्य फसल लगा होना बताया है, मतलब सरकारी अमले को पता था वहाँ अफीम की खेती हो रही थी, इसका मतलब साफ है कि सत्ता के संरक्षण में ही यह सब कुछ हो रहा है।

ट्रेन की चपेट में आया आरक्षक, मौत

रायगढ़। जिले के पुलिस बल में पदस्थ एक आरक्षक की हादसे में मौत की खबर से महकमें में हड़कंप मच गया है। मृत आरक्षक का नाम सुजीत मिंज बताया जा रहा है। आरक्षक सुजीत रायगढ़ पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पदस्थ था। बताया जा रहा है कि, रेलवे पटरी पार करने के दौरान वह ट्रेन की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। फिलहाल सूचना पाकर मौके पर पहुंची जीआरपी ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। हादसा किन वजहों से हुआ इसकी जाँच की जा रही है।

निजी विवाद ने लिया सामूहिक टकराव का रुप

छावनी थाना क्षेत्र में पत्थरबाजी और लाठीचार्ज में पुलिसकर्मी भी घायल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई नगर के छावनी थाना क्षेत्र अंतर्गत कैंप-2 में सोमवार देर रात भड़की हिंसा ने पूरे इलाके को दहला दिया। मामूली विवाद से शुरू हुआ घटनाक्रम देखते ही देखते दो पक्षों के बीच भीषण टकराव में बदल गया, जिसमें जमकर पत्थरबाजी, लाठी-डंडे और धारदार हथियारों का इस्तेमाल हुआ। हालात इतने बिगड़े कि पूरे क्षेत्र को पुलिस छावनी में तब्दील करना पड़ा।

प्रेम प्रसंग से जुड़ा है पूरा मामला

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विवाद की जड़ एक प्रेम प्रसंग है। सोनकर मोहल्ला के युवक और गफ्फार मोहल्ला की युवती के बीच संबंध थे। दोनों अलग-अलग समुदाय से होने के बावजूद घर से भागकर विवाह करने निकल गए थे। करीब दो-तीन दिन बाद दोनों को समझौते के लिए वापस बुलाया गया। युवती को उसके परिजनों ने अपने पास रोक लिया, जबकि युवक के खिलाफ शिकायत दर्ज कर उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया।

नाबालिग बताकर कार्रवाई, सामने आया नया ट्विस्ट

युवक पर युवती के नाबालिग होने का आरोप लगाकर उसे जेल भेज दिया गया। आधार कार्ड के आधार पर युवती को नाबालिग बताया गया। लेकिन बाद में सामने आई 10वीं की मार्कशीट में युवती की जन्मतिथि के अनुसार वह बालिग पाई गई। इससे पूरे मामले में नया मोड़ आ गया है और दस्तावेजों की सत्यता को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

थाना प्रभारी की कार्रवाई पर उठे गंभीर सवाल

इस पूरे घटनाक्रम में छावनी थाना की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर प्रश्नचिन्ह लग रहे हैं। स्थानीय लोगों और सूत्रों के अनुसार—क्या बिना सभी दस्तावेजों की गहन जांच किए युवती को नाबालिग मान लिया गया ? यदि आधार कार्ड और शैक्षणिक प्रमाणपत्र में अंतर था, तो पहले सत्यापन क्यों नहीं किया गया ?

यदि दस्तावेजों की विधिवत जांच होती, तो युवती बालिग है या नाबालिग—यह स्पष्ट हो सकता था, जिसके बाद ही किसी के खिलाफ अपराध दर्ज होता। सबसे बड़ा सवाल यह भी उठ रहा है कि बिना पूर्ण जांच के एफआईआर कैसे दर्ज कर दी गई ? क्या इस पूरे मामले में किसी प्रकार का दबाव था, या यह प्रशासनिक लापरवाही है ? या फिर जानबूझकर ऐसी कार्रवाई की गई ? ये सभी बिंदु अब जांच का अहम हिस्सा बन गए हैं।

बच्चों का विवाद बना हिंसा की चिंगारी

इसी बीच सोमवार रात कैंप-2 क्षेत्र में दो बच्चों के बीच हुए विवाद ने आग में घी का काम किया। बच्चों के झगड़े में बड़े लोग भी शामिल हो गए और देखते ही देखते सोनकर मोहल्ला व गफ्फार मोहल्ला के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए। कुछ ही देर में विवाद उग्र होकर दो समुदायों के बीच टकराव में बदल गया।

इलाके में मची अफरा-तफरी, वाहनों को नुकसान

विवाद के दौरान दोनों पक्षों के बीच जमकर पत्थरबाजी हुई। कई चारपहिया वाहनों के शीशे तोड़ दिए गए। कई बाइक क्षतिग्रस्त हो गईं, लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से मारपीट हुई, पूरे क्षेत्र में दहशत और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

पुलिस पर भी हमला, अधिकारी घायल

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा। हालात नियंत्रित करने के दौरान पुलिस टीम पर भी धक्का-मुक्की और हमला हुआ, जिसमें कई पुलिसकर्मी, सीएसपी और थाना प्रभारी भी घायल हुए। कड़ी मशक्कत के बाद देर रात स्थिति को नियंत्रित किया गया।

कई नामजद सहित दोनों पक्षों पर FIR

पुलिस ने मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए FIR क्रमांक 158/2027 के तहत धारा 191, 1(3), 109 बीएनएस में अपराध दर्ज किया है। इसमें निगम के टक्कर सदस्य मन्नान, इंजीनियर सलमान, सकील, मोबिन, सोहेल और टीपू सहित अन्य को आरोपी बनाया गया है। वहीं दूसरे पक्ष की शिकायत पर भी क्रॉस केस दर्ज कर जांच जारी है।

पूरी रात पुलिस तैनात, तनाव बरकरार

देर रात शुरू हुआ यह बवाल आधी रात के बाद तक चलता रहा। हालात को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया और पूरी रात इलाके में पहरा रहा। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन क्षेत्र में अभी भी तनाव बना हुआ है। जांच के घेरे में पूरा घटनाक्रम में यह पूरा मामला अब केवल हिंसा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि प्रेम प्रसंग, दस्तावेजों में विरोधाभास है।

पुलिस कार्रवाई पर सवाल

इन सभी पहलुओं के चलते यह मामला बेहद संवेदनशील और चर्चित बन गया है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एएसपी ने कहा- स्थिति नियंत्रण में

एएसपी ग्रामीण मणिशंकर चंद्रा ने बताया कि दो बच्चों के बीच विवाद हुआ और धीरे-धीरे दोनों पक्षों के बड़े लोग भी इसमें शामिल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस ने पहुंचकर स्थिति को संभाला। फिलहाल इलाके में स्थिति नियंत्रण में है। दोनों पक्षों से बातचीत जारी है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

7 साल से रुका दवाइयों का भुगतान : क्या कमीशन के 'लालच' में अटका है लाखों के बिल में करोड़ों की मांग?

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव-रायपुर

राजनांदगांव के शासकीय मेडिकल कॉलेज (भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय) में दवाइयों और सामग्रियों की आपूर्ति के बदले करोड़ों रुपये के लंबित भुगतान का मामला अब एक बड़े घोटाले की ओर इशारा कर रहा है। सात वर्षों से अटके इस भुगतान को लेकर अब यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारी किसी विशिष्ट लाभ या 'कमीशन' के लालच में जानबूझकर बिलों को लटकाए हुए हैं ?

भ्रष्टाचार व 'सेटअप' का संदेह

पीड़ित पक्ष, राजनांदगांव के नरेंद्र कुमार जैन ने मुख्यमंत्री को सौंपे अपने पत्र में विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रहार किया है। आरोप है कि वर्ष 2017-18 से लंबित बिलों के सत्यापन (Verification) में जानबूझकर देरी का कार्य संयुक्त संचालक सह अधीक्षक चिकित्सालय संबद्ध चिकित्सा महाविद्यालय राजनांदगांव में किया गया है।

सूत्रों और प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर यह संदेह गहरा रहा है कि लालच का खेल: क्या विभाग के उच्च अधिकारी किसी 'अघोषित लाभ' की प्रतीक्षा में भुगतान की फाइल को दबाए बैठे हैं ? अधिकारियों की अरुचि: 202 पन्नों का विस्तृत विवरण देने के बावजूद विभाग द्वारा 'लापरवाही' दिखाना सीधे तौर पर व्याप्त भ्रष्टाचार की ओर संकेत करता है। बजट होने के बाद भी देरी: वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए इस मद में 6 करोड़ रुपये का भारी-भरकम बजट होने के बावजूद भुगतान की अनुमति न देना वित्तीय अनियमितता का मामला प्रतीत होता है।

ईओडब्ल्यू, लोकायुक्त और ED की जांच का विषय

मामले की गंभीरता को देखते हुए अब यह मांग उठ रही है कि इस पूरे प्रकरण की जांच आर्थिक अपराध ब्यूरो (EOW), लोकायुक्त और प्रवर्तन निदेशालय (ED) जैसी केंद्रीय एजेंसियों से कराई जानी चाहिए।

जांच के मुख्य बिंदु निम्नलिखित हो सकते हैं: मनी लॉन्ड्रिंग का संदेह: क्या बजट होने के बावजूद भुगतान रोकने के पीछे किसी प्रकार की 'ले-दे' की सेटिंग की जा रही है ? पद का दुरुपयोग: चिकित्सा शिक्षा विभाग के किन अधिकारियों ने सत्यापन प्रक्रिया को इतने वर्षों तक बाधित रखा ? मानसिक प्रताड़ना: एक वैध आपूर्तिकर्ता को 7 साल तक भुगतान न करना 'आर्थिक अपराध' की श्रेणी में आता है।

सीएम सचिवालय का कड़ा रुख

शिकायत के बाद मुख्यमंत्री सचिवालय के अवर सचिव ने संचालक, चिकित्सा शिक्षा विभाग को छह माह पहले भुगतान किए जाने के सख्त निर्देश दिए थे। विभाग को अब अपनी कार्रवाई का पूरा ब्यौरा जनदर्शन पोर्टल पर सार्वजनिक करना था, किन्तु भ्रष्ट विभाग के लोग लाखों के बिल में करोड़ों का कमीशन चाहते है। आवेदक ने मांग की है कि 'भंडार क्रय अधिनियम' के भांति उन्हें उनकी राशि 15 दिनों के भीतर मय ब्याज (Interest) सहित दिलाई जाए। यदि विभाग इसमें विफल रहता है, तो यह मामला प्रदेश के सबसे बड़े प्रशासनिक भ्रष्टाचार के रूप में जांच एजेंसियों के पास पहुंच सकता है।

महत्वपूर्ण सूचना! हमारे पाठकों के लिए
सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु का E-Paper भी तैयार है।
प्रतिदिन शाम 4:00 बजे पेपर नई दृष्टिबिंदु के गुगल के साइट Nayi Drishtibindu पर अपलोड हो जाता है। सभी पाठकों से आग्रह है कि प्रतिदिन शाम 4:00 बजे साइट पर Nayi Drishti bindu E-Paper सर्च कर ई पेपर देख सकते हैं।
Google
NAYI DRISHTIBINDU E-PAPER
शाम 4 बजे से पढ़े

बीएसपी में प्रथम ईडी वर्क्स डिजिटल चैंपियंस ट्रॉफी के विजेताओं की घोषणा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधनझज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा आयोजित प्रथम ईडी (वर्क्स) डिजिटल चैंपियंस ट्रॉफी 2025-26 के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। कार्यस्थल की समस्याओं के समाधान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा इंडस्ट्री 4.0 प्रौद्योगिकियों के उपयोग विषय पर आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य गैर-कार्यपालक कर्मचारियों को कार्यस्थल की चुनौतियों के लिए नवोन्मेषी एवं व्यावहारिक तकनीकी समाधान विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना था। प्रतियोगिता में गैर-कार्यपालक कर्मचारियों की कुल 14 टीमों ने तकनीकी शोध पत्र प्रस्तुत किए, जिनमें कार्य प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने के लिए नवाचारी विचार प्रस्तुत किए गए। इनमें से 13 टीमों ने 6 एवं 7 मार्च 2026 को निर्णायक मंडल के समक्ष अपने शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया।

तकनीकी शोध पत्रों एवं प्रस्तुतियों का मूल्यांकन उपयोगिता, नवाचार, क्रियान्वयन की व्यवहार्यता तथा संगठन को संभावित लाभ जैसे मानकों के आधार पर किया गया। मूल्यांकन के उपरांत ए एंड डी विभाग की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस टीम में इंजीनियरिंग एसोसिएट सुश्री अनुराधा ध्रुव, इंजीनियरिंग एसोसिएट बी. वेंकट अप्पाराव तथा इंजीनियरिंग एसोसिएट तलासमुद्रम राजेश शामिल रहे। बार एवं रॉड मिल विभाग की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जिसमें इंजीनियरिंग एसोसिएट वमशी बेहरा, जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट भीमांशु कच्छप तथा इंजीनियरिंग एसोसिएट सैतान सिंह मीणा शामिल थे। वहीं यूनिवर्सल रेल मिल विभाग की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जिसका प्रतिनिधित्व इंजीनियरिंग एसोसिएट प्रसाद गौड़, जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट सुश्री संज्योति तिर्के तथा जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट सुधीर यादव ने किया।

इस पहल का उद्देश्य संयंत्र के विभिन्न विभागों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा इंडस्ट्री 4.0 प्रौद्योगिकियों के व्यावहारिक उपयोग को बढ़ावा देना, परिचालन दक्षता में सुधार लाना, लागत में कमी करना तथा डेटा आधारित नवाचार की संस्कृति को सुदृढ़ करना रहा। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल की अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक (ए एंड डी) रवि शंकर ने की, जबकि महाप्रबंधक (सी एंड आई.टी) अजय सचदेव तथा महाप्रबंधक (यू.आर.एम) शिशिर शुक्ला निर्णायक मंडल के सदस्य रहे। प्रतियोगिता के संयोजक महाप्रबंधक (एचआरझएल एंड डी) सौरभ वार्ष्णेय रहे तथा उप प्रबंधक (एचआरझएल एंड डी) जोजेन जोस ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को उनकी नवाचारी उपलब्धियों के लिए ट्रॉफी, प्रमाण-पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। भिलाई इस्पात संयंत्र के प्रबंधन ने विजेता टीमों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए बधाई दी तथा इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के प्रथम संस्करण में कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना की।

दुर्ग की सभी पानी टोकियों में लगाए जाएंगे मीटर गेज

दुर्ग। विश्व जल दिवस पर आयोजित जलकार्य समिति की बैठक में निर्णय लिया गया कि जल प्रबंधन को और अधिक व्यवस्थित बनाने के लिए सभी जल टंकियों में पानी के स्तर की सही जानकारी के लिए मीटर गेज लगाए जाएंगे ताकि जल वितरण व्यवस्था को बेहतर ढंग से नियंत्रित किया जा सके। साथ ही जल आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने के लिए जल टैंकरों का तत्काल संधारण करने तथा आवश्यकता अनुसार टैंकरों के लिए वाहन चालकों की संख्या बढ़ाने का भी प्रस्ताव रखा गया।

खास खबर

श्रद्धा के साथ मनाई गई भक्त माता कर्मा जयंती

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जिले के ग्राम मचांदूर, चिरपोटी एवं मतवारी में साहू समाज द्वारा श्रद्धा और उत्साह के साथ भक्त माता कर्मा जयंती मनाई गई। इस अवसर पर जनपद सदस्य एवं समाजसेवी ढालेश साहू कार्यक्रम में शामिल हुए और समाजजनों को जयंती की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ढालेश साहू ने कहा कि भक्त माता कर्मा साहू समाज की आस्था, भक्ति और सेवा की प्रतीक हैं। उन्होंने अपने जीवन से सादगी, परिश्रम और सच्ची भक्ति का संदेश दिया। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर स्वयं भगवान श्री कृष्ण ने उनके हाथों से बनाया हुआ खिचड़ी प्रसाद स्वीकार किया, जो भक्त और भगवान के प्रेम का अद्भुत उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि माता कर्मा के आदर्श हमें समाज में एकता, भाईचारा और सेवा की भावना को मजबूत करने की प्रेरणा देते हैं। समाज के युवाओं को भी उनकी शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर शिक्षा, संस्कार और सामाजिक विकास के लिए आगे आना चाहिए। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजन, युवा एवं बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भजन-कीर्तन, पूजा- अर्चना तथा प्रसाद वितरण किया गया और समाज की एकता व प्रगति के लिए संकल्प लिया गया।

माता कर्मा जयंती पर निकाली कलश यात्रा

रायगढ़ा बठेना में स्थानीय साहू समाज द्वारा भक्त माता कर्मा की 1010वीं जयंती श्रद्धा, उत्साह और भक्ति भाव के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम की मातृशक्ति द्वारा निकाली गई भव्य कलश यात्रा से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर पूरे गांव में भ्रमण किया और भक्तिमय वातावरण का निर्माण किया। इसके पश्चात भक्त माता कर्मा की आरती कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत स्वागत गीत के माध्यम से टिकेश्वरी साहू, डीलेश्वरी साहू एवं हर्षिता साहू द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री सिद्धी विनायक मानस मंडली बठेना द्वारा भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति दी गई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिरस से सराबोर हो गया। वहीं डी.सी. क्लासेस बठेना एवं ग्राम की बेटियों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिसने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।

कार्यक्रम के दौरान समाज के प्रतिभावान बच्चों का प्रतिभा सम्मान भी किया गया तथा समस्त स्वजातीय जनों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई। मुख्य अतिथि श्रीमती दिव्या कलिहारी संयोजिका, महिला प्रकोष्ठ, प्रदेश साहू संघ ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज समाज के विभिन्न मंचों पर मातृशक्ति की सक्रिय भागीदारी सराहनीय है। समाज की प्रगति में महिलाओं और बेटियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विशेष अतिथि खेमलाल साहू वरिष्ठ सलाहकार, परिक्षेत्रीय साहू संघ अरसनारा ने कहा कि समाज को नियमावली और अनुशासन के साथ संगठित होकर आगे बढ़ना चाहिए। सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए संस्कार और जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने भक्त माता कर्मा के त्याग, तपस्या और भगवान श्रीकृष्ण के प्रति उनकी भक्ति को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया कार्यक्रम की अध्यक्षता किशन हिरवानी अध्यक्ष, परिक्षेत्रीय साहू संघ अरसनारा ने की। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में सीता सुरेश निषाद जनपद सदस्य, उनिका वर्मा सरपंच, ग्राम पंचायत बठेना तथा साधना वर्मा पूर्व सरपंच उपस्थित रहीं।

बीएसपी में 16 से 31 तक 'स्वच्छता पखवाड़ा' का आयोजन, सिंगल यूज प्लास्टिक पर फोकस

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुपालन में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा 16 से 31 मार्च 2026 तक 'स्वच्छता पखवाड़ा' का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष स्वच्छता पखवाड़ा का थीम 'सिंगल यूज प्लास्टिक का उन्मूलन' रखा गया है, जिसके अंतर्गत विभिन्न जागरूकता एवं जनभागीदारी आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस पखवाड़े के अंतर्गत संयंत्र परिसर,

टाउनशिप तथा संयंत्र के विभिन्न विभागों में भी अनेक स्वच्छता एवं जागरूकता संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें कमर्चारियों एवं नागरिकों की जनभागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इसी कड़ी में नगर सेवाएँ विभाग के अंतर्गत जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा 16 से 31 मार्च 2026 तक 'स्वच्छता पखवाड़ा' का आयोजन किया जा रहा है। स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ 16 मार्च 2026 को सिविक सेंटर स्थित महात्मा गांधी कला मंदिर प्रांगण में POLLUTED BY SINGLE-USF PLASTIC संयंत्र के वरिष्ठ प्रबंधन के सदस्यों कि विशेष उपस्थिति में महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष स्वच्छता शपथ एवं जनभागीदारी से श्रमदान कार्यक्रम के साथ किया जाएगा।

पखवाड़ा के दौरान 17, 18 एवं 19 मार्च 2026 को भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा संचालित स्कूलों में विद्यार्थियों के बीच सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त 20 मार्च 2026 को सेक्टर-6 स्थित ए-मार्केट में सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाया जाएगा तथा नागरिकों को कपड़े के थैलों का वितरण भी किया जाएगा। 23 मार्च 2026 को सेक्टर-10 के जोनल मार्केट में अपशिष्ट पृथकरण के विषय पर रहवासियों एवं व्यापारियों के साथ संवाद

कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। वहीं 24 मार्च 2026 को सेक्टर-5 मार्केट तथा 25 मार्च 2026 को जेएलएन अस्पताल चौक में जनभागीदारी से विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा।

नो पार्किंग से अब गाड़ी गायब होगी, ट्रैफिक पुलिस की कड़ी नजर

भिलाई। भिलाई के जुनवानी इलाके में स्थित सूर्या मॉल के सामने फुटपाथ पर लंबे समय से अवैध पार्किंग का खेल चल रहा था। यहां एक व्यक्ति निगम की जमीन पर ही वाहन पार्किंग संचालित कर लोगों से बाकायदा रसीद काटकर पैसे वसूल रहा था। देर रात ट्रैफिक पुलिस और स्मृति नगर चौकी पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। इस दौरान कई वाहन मालिकों को ई-चालान थमाया गया, जबकि जिन वाहनों के मालिक मौके पर मौजूद नहीं थे, उन वाहनों को जब्त कर नेहरू नगर ट्रैफिक पुलिस कार्यालय ले जाया गया। जानकारी के अनुसार कार्रवाई भिलाई नगर सीएसपी सत्याप्रकाश तिवारी के नेतृत्व में की गई। पुलिस की टीम जब सूर्या मॉल के सामने पहुंची तो फुटपाथ पर बड़ी संख्या में दोपहिया और चारपहिया वाहन खड़े मिले। जांच में पता चला कि यहां रसीद काटकर पार्किंग शुल्क लिया जा रहा था। चारपहिया वाहनों से 60 रुपए और दोपहिया वाहनों से 20 रुपए लिए जा रहे थे। साइबर टीम ने पुलिस ने मौके से एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। उस पर स्मृति नगर चौकी पुलिस ने धारा 285 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि नगर निगम की जमीन पर बिना अनुमति पार्किंग वसूलना गैरकानूनी है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने सूर्या मॉल के मैनेजर विनोद सिंह से भी पूछताछ की। उन्होंने बताया कि मॉल के अंदर ही पार्किंग की व्यवस्था बनी हुई है और मॉल प्रबंधन का बाहर चल रही पार्किंग से कोई संबंध नहीं है। उनके मुताबिक सड़क किनारे फुटपाथ पर आशीष कुमार नाम का व्यक्ति अपने स्तर पर वाहनों की पार्किंग करवा रहा था।

बाल संरक्षण पर शुरू होगा रक्षक पीजी डिप्लोमा कोर्स : श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में नए सत्र से एक वर्षीय कोर्स

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बाल अधिकारों के संरक्षण और संवर्धन को मजबूत करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में एक नई पहल शुरू की जा रही है। नए शैक्षणिक सत्र से श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में बाल संरक्षण पर आधारित एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम रक्षक प्रारंभ किया जाएगा। यह पाठ्यक्रम ञhattisgarh State Commission for Protection of Child Rights के मार्गदर्शन में प्रदेश के छह विश्वविद्यालयों में शुरू किया जा रहा है। दुर्ग संभाग में यह अवसर केवल इसी विश्वविद्यालय को मिला है। इस संबंध में विश्वविद्यालय में आयोजित बैठक में आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा और सचिव प्रतीक खरे ने पाठ्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति आईपी मिश्रा ने रक्षक पाठ्यक्रम को बाल संरक्षण के क्षेत्र में एक सार्थक और ठोस पहल बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अधिकारों के संरक्षण के साथ-साथ उनके प्रति जागरूकता भी बेहद जरूरी है। यह पाठ्यक्रम सामाजिक सरोकारों से जुड़ा होने के साथ युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी प्रदान करेगा।

आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा ने बताया कि यह एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा दो सेमेस्टर में पूरा होगा। वहीं सचिव प्रतीक खरे ने जानकारी दी कि पाठ्यक्रम की संरचना सामाजिक कार्य, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान और विधि जैसे विषयों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि बाल संरक्षण केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं बल्कि समाज की नैतिक जिम्मेदारी भी है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. स्मिता ने बताया कि नए सत्र से पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं और प्रारंभिक रूप से इसमें 20 सीटें निर्धारित की गई हैं। बैठक में कुलपति डॉ. संदीप श्रीवास्तव, डॉ. स्नेह कुमार मेश्राम तथा डायरेक्टर (विकास) डॉ. सुशील चंद्र तिवारी सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

पुलिस की कार्रवाई : भिलाई स्टील प्लांट की भट्टी में जलाया नशीला सामान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दुर्ग पुलिस ने सोमवार को भिलाई स्टील प्लांट की भट्टी में लाखों का नशीला सामान जला दिया। दरअसल यह सारा नशीला सामान अलग अलग थानों में दर्ज नारकोटिक्स एक्ट के प्रकरणों में जब्त किया गया था। नारकोटिक्स सेल, पुलिस मुख्यालय छत्तीसगढ़ रायपुर के आदेशानुसार ड्रग्स डिस्पोजल समिति की उपस्थिति में नशीले सामान को नष्ट किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार नारकोटिक्स सेल पुलिस मुख्यालय छत्तीसगढ़ रायपुर के आदेशानुसार एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों में जप्त मादक पदार्थों के नष्टीकरण के लिए जिला स्तर पर गठित ड्रग्स डिस्पोजल समिति द्वारा सोमवार को दुर्ग जिले के विभिन्न थानों में जब्त मादक पदार्थों का वैधानिक नष्टीकरण किया गया।

उक्त कार्रवाई के अंतर्गत कुल 58 प्रकरणों में जप्त मादक पदार्थों एवं नशीली दवाइयों का नष्टीकरण किया

गया, जिसमें 612.515 किलोग्राम गांजा, 06.550 ग्राम ब्राउन शुगर, 78,333 नग टेबलेट, 23,200 नग कैप्सूल तथा 197 नग सिरप शामिल हैं। गांजा, ब्राउन शुगर, टेबलेट एवं कैप्सूल का नष्टीकरण भिलाई इस्पात संयंत्र में तथा सिरप का नष्टीकरण थाना नेवई क्षेत्र में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया गया।

इस कार्रवाई में ड्रग्स डिस्पोजल समिति के सदस्य, नोडल अधिकारी नष्टीकरण एवं भण्डारण, नगर पुलिस अधीक्षक भिलाई नगर, डीसीआरबी शाखा के अधिकारी व कमर्चारी तथा नगर पालिक निगम भिलाई के सहायक राजस्व अधिकारी बसंत कुमार देवांगन की उपस्थिति में नष्टीकरण की कार्रवाई संपन्न कराई गई। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि मादक पदार्थों के अवैध कारोबार की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। मादक पदार्थों के अवैध व्यापार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

एक छत के नीचे लोगों को हर प्रकार के उत्पाद उपलब्ध, 300 से ज्यादा स्टॉल

स्वदेशी मेला : लोगों में उत्साह, विभिन्न उत्पाद बने आकर्षण का

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जयंती स्टेडियम ग्राउंड में आयोजित स्वदेशी मेले के तीसरे दिन लोगों में गजब का उत्साह देखने को मिली। रविवार और छुट्टी का दिन होने से लोगों की काफी भीड़ रही। एक ओर खरीदी और दूसरी ओर मनोरंजन का लोगों ने भरपूर आनंद लिया। देर रात तक लोगों का आना जाना लगा रहा। स्वदेशी मेले का खास आकर्षण यहां लगे अलग अलग उत्पादों के स्टॉल्स हैं जहां लोगों ने खरीदी का लुत्फ उठाया।

बता दें स्वावलंबी भारत अभियान के तहत स्वदेशी जागरण मंच द्वारा स्वदेशी मेला का आयोजन किया गया है। यहां 300 से ज्यादा उत्पादों के स्टॉल लगे हैं। हैंडिक्राफ्ट से लेकर फूड जोन, ऑटो मोबाइल से लेकर इलेक्ट्रानिक्स तक अलग अलग स्टॉल लगे हैं। पारंपरिक परिधान व वेस्टर्न आउटफिट के भी स्टॉल लगे हैं। किचन के लिए उपयोगी सामान हो या घर की सजावट करना सभी के लिए यहां एक से एक वैरायटी सजी हुई है। हैंडलूम व फर्निचर के भी स्टॉल लगे हैं। एक छत के नीचे लोगों को हर प्रकार के उत्पाद मिल रहे हैं। लोगों ने स्वदेशी वस्तुओं की खरीदारी के साथ की मले का भी भरपूर आनंद लिया।

बच्चों का मनोरंजन झूलों से

स्वदेशी मेले में एक ओर जहां लोगों को खरीदारी के लिए कई ऑप्शन्स मिल रहे हैं वहीं बच्चों के मनोरंजन का भी भरपूर ध्यान रखा गया है। यहां कई प्रकार के झूले हैं जो बच्चों के लिए आकर्षण का केन्द्र है। ड्रेगन झूला, ज्वाइंट व्हील, ब्रेक डांस, टॉय ट्रेन जैसे कई झूले हैं। बड़ों के साथ बच्चों का भी भ्ज्ञरपूर मनोरंजन हो रहा है। इसके अलावा फूड जोन में भी लोगों को कई प्रकार के स्वदेशी व्यंजनों का स्वाद चखने मिल रहा है।

रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

स्वदेशी मेले में छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपरा की झलक भी देखने को मिल रही है। यहां रोज सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जा रही है। छत्तीसगढ़ के लोक कलाकार व स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियां लोगों को आकर्षित कर रही हैं। खरीदी के बीच गीत संगीत का कार्यक्रम लोगों को सुकून दे रहा है। मेला संयोजक अजय भसीने ने बताया कि मेला का समापन 19 मार्च को होगा। उन्होंने शहर के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में मेले में आने की अपील की है।

दुर्ग जिले में जनगणना की तैयारी हुई तेज : 1 से 30 मई तक घर-घर होगा मकान सूचीकरण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले में 2027 की जनगणना को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। एसआईआर के अंतिम प्रकाशन के बाद अब पहले चरण के तहत 1 से 30 मई के बीच जिले के प्रत्येक मकान और भवन का सूचीकरण किया जाएगा। इस दौरान प्रगणक घर-घर जाकर 33 सवालों के माध्यम से परिवार और मकान से जुड़ी विस्तृत जानकारी जुटाएंगे।

प्रशासन के अनुसार इस बार की जनगणना में परिवार की गणना चूल्हे और निकासी द्वार के आधार पर भी की जाएगी। यानी किसी मकान में जितने अलग-अलग चूल्हे होंगे, उतने ही परिवार दर्ज किए जाएंगे। यदि एक ही मकान में 50 लोग रहते हों लेकिन चूल्हा एक ही हो, तो परिवार की संख्या एक मानी जाएगी। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने बताया कि जनगणना के प्रथम चरण के लिए प्रशासन को विस्तृत कैलेंडर जारी किया गया है। इसी के अनुसार मकान सूचीकरण और गणना से जुड़े सभी कार्य तय समय सीमा में पूरे किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस बार

जनगणना के जरिए लोगों की जीवन शैली, आवासीय स्थिति और सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों का व्यापक डेटा एकत्र किया जाएगा।

जनगणना कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए अधिकारियों और कमर्चारियों का प्रशिक्षण भी शुरू किया जा रहा है। जिला अधिकारियों, चार्ज अधिकारियों, जनगणना लिपिकों और तकनीकी सहायकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण 13 से 19 मार्च के बीच आयोजित किया जाएगा। मकान सूचीकरण ब्लॉक (एचएलबी) का गठन और एचएलबीसी वेब मैपिंग एप्लीकेशन के जरिए इन ब्लॉकों की पहचान 17 से 31 मार्च के बीच की जाएगी। इसके बाद फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण 23 से 29 मार्च तक जिला स्तर पर आयोजित होगा। सभी प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण 8 से 24 अप्रैल के बीच चार्ज स्तर पर कराया जाएगा। वहीं मकान सूचीकरण और मकानों की गणना के लिए स्व-गणना की प्रक्रिया 16 से 30 अप्रैल के बीच पूरी की जाएगी।

जनगणना के दौरान सिर्फ लोगों की संख्या ही नहीं, बल्कि मकान की संरचना और सुविधाओं से जुड़ी जानकारी भी दर्ज की जाएगी। इसमें घर की फर्श मिट्टी की है या टाइल्स व ग्रेनाइट की, दीवार और छत किस सामग्री की बनी है, घर में कितने कमरे हैं और कितने विवाहित दंपति रहते हैं जैसी जानकारी शामिल होगी। इसके अलावा पानी, बिजली, शौचालय, रसोई, गैस कनेक्शन, ईंधन और अपशिष्ट निकासी जैसी सुविधाओं का भी विवरण लिया जाएगा। फील्ड कार्य पूरा होने के बाद नजरी नक्शा और अन्य सामग्री 1 से 30 जून के बीच प्रगणक और पर्यवेक्षक द्वारा चार्ज अधिकारियों को सौंप दी जाएगी। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे जनगणना कार्य में पूरा सहयोग दें, ताकि जिले की सामाजिक और आर्थिक स्थिति का सटीक आंकड़ा तैयार किया जा सके।

नवरात्रि में मां बम्लेश्वरी के दर्शन आसान : डोंगरगढ़ स्टेशन पर 10 एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव, स्पेशल ट्रेन भी चलेगी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आगामी चैत्र नवरात्री के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने महत्वपूर्ण फैसला लिया है। नवरात्रि के दौरान माँ बम्लेश्वरी मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन पर 10 एक्सप्रेस ट्रेनों का अस्थायी स्टॉपेज दिया गया है। यह व्यवस्था 19 मार्च से 27 मार्च तक लागू रहेगी। हर साल नवरात्र के अवसर पर डोंगरगढ़ में भव्य मेला लगता है, जिसमें देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु मां बम्लेश्वरी देवी के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इसी भीड़ को देखते हुए रेलवे ने इस बार अतिरिक्त व्यवस्थाएं की हैं, ताकि यात्रियों को आवागमन में किसी तरह की परेशानी न हो।

ट्रेनों का विस्तार और स्पेशल ट्रेन

रेलवे के अनुसार कुछ लोकल ट्रेनों का रूट बढ़ाया गया है, जबकि एक विशेष मेमू पैसेंजर ट्रेन भी चलाई जाएगी। 68742/68741 गोंदिया -दुर्ग -गोंदिया मेमू पैसेंजर को रायपुर तक विस्तारित किया गया है। 68729/68730 रायपुर - डोंगरगढ़ - रायपुर मेमू पैसेंजर का विस्तार गोंदिया तक किया गया है।06886/06885 डोंगरगढ़ - दुर्ग - डोंगरगढ़ मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन भी चलाई जाएगी।

इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य नवरात्र के दौरान बढ़ने वाली भीड़ को नियंत्रित करना और श्रद्धालुओं को बेहतर यात्रा सुविधा उपलब्ध कराना है।

प्रशासन ने भी की विशेष तैयारियां

इधर नवरात्र के दौरान मेला और पदयात्रा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने भी व्यापक तैयारियां की हैं। जितेन्द्र यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करें, ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह

की असुविधा न हो। पदयात्रियों के लिए रास्ते में ओआरएस घोल, दवाइयां और मरहम-पट्टी की व्यवस्था की जाएगी। अंजोरा से अछोली तक सेवा पंडाल लगाए जाएंगे, जहां श्रद्धालुओं को आराम, पेयजल, चाय-नाश्ता और भोजन की सुविधा मिलेगी।

प्लास्टिक मुक्त मेला और कड़ी सुरक्षा

नवरात्र के दौरान डोंगरगढ़ को प्लास्टिक मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया है। मंदिर परिसर और मेला स्थल पर लगातार साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। सुरक्षा के लिहाज से मंदिर परिसर और मेला क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात रहेगा। निगरानी के लिए आधुनिक कंट्रोल रूम बनाया जाएगा और आपात स्थिति से निपटने के लिए क्विक रिस्पांस टीम (QRT) भी तैनात की जाएगी। इसके अलावा यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए दुर्घटना संभावित स्थानों पर रेडियम संकेतक, रिफ्लेक्टर और अस्थायी स्पीड ब्रेकर लगाए जाएंगे। रोपवे की तकनीकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ट्रस्ट से फिटनेस सर्टिफिकेट और मेंटेनेंस रिपोर्ट भी ली गई है। प्रशासन के अनुसार इन सभी तैयारियों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि नवरात्र के दौरान आने वाले लाखों श्रद्धालु सुरक्षित और सुविधाजनक तरीके से मां बम्लेश्वरी के दर्शन कर सकें।

खास खबर

रामजीवन देवांगन ने राज्य आयुक्त दिव्यांगजन का पदभार किया ग्रहण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी रामजीवन देवांगन ने आज माना कैम्प, रायपुर स्थित कार्यालय में राज्य आयुक्त दिव्यांगजन, छत्तीसगढ़ के पद का कार्यभार ग्रहण किया। श्री देवांगन न्यायिक क्षेत्र में लंबे समय तक विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं और उन्हें प्रशासनिक तथा न्यायिक कार्यों का व्यापक अनुभव है। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने न्यायिक दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए न्याय व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात श्री देवांगन ने कहा कि राज्य में दिव्यांगजनों के अधिकारों की सुरक्षा, सम्मान और उन्हें समान अवसर उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के प्रावधानों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा तथा दिव्यांगजनों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने के लिए राज्य आयुक्त कार्यालय सक्रिय रूप से कार्य करेगा। साथ ही दिव्यांगजनों से प्राप्त शिकायतों और समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए भी विशेष पहल की जाएगी। कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात श्री देवांगन ने छत्तीसगढ़ शासन के समाज कल्याण विभाग के सचिव भुवनेश यादव तथा संचालक समाज कल्याण श्रीमती रोकिमा यादव से भेंट कर दिव्यांगजन हित से संबंधित योजनाओं और विभागीय गतिविधियों पर चर्चा की। इस अवसर पर कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके नेतृत्व में दिव्यांगजन हित से जुड़े कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का विश्वास व्यक्त किया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में एआई आधारित वैगन डैमेज डिटेक्शन सिस्टम की स्थापना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रेल परिचालन को और अधिक संरक्षित, कुशल एवं तकनीक आधारित बनाने की दिशा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा निरंतर आधुनिक तकनीकों को अपनाया जा रहा है। इसी क्रम में भिलाई स्थित पीपी यार्ड में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित वैगन डैमेज डिटेक्शन सिस्टम की सफलतापूर्वक स्थापना एवं कमीशनिंग की गई है।

इस अत्याधुनिक प्रणाली का उद्देश्य यार्ड परीक्षण के लिए आने वाली मालगाड़ियों के वैगनों में होने वाली भौतिक क्षतियों की शीघ्र एवं सटीक पहचान करना है, जिससे मरम्मत कार्य को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके तथा रेल संरक्षा को सुदृढ़ किया जा सके।

यह एआई आधारित प्रणाली मशीन लर्निंग एल्गोरिदम के माध्यम से वैगनों में होने वाली विभिन्न प्रकार की भौतिक क्षतियों की पहचान करती है। इसके अंतर्गत वैगनों में डोर की कमी, क्षतिग्रस्त दरवाजे, अवशिष्ट माल (रेजिडुअल कंसाइनमेंट), फर्श की शीट का अभाव, बॉडी पैनल की कमी आदि जैसे दोषों का स्वतः पता लगाया जा सकता है। किसी भी रेक के यार्ड में प्रवेश करने और सिस्टम से गुजरने के पश्चात यह प्रणाली स्वचालित रूप से प्रत्येक वैगन नंबर के साथ चिन्हित दोषों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर देती है।

इस प्रणाली में उच्च गुणवत्ता वाले हाई-डेफिनिशन मशीन विजन कैमरों (06 इकाइयों), विशेष प्रकाश स्रोत तथा एक समर्पित सर्वर रूम की व्यवस्था की गई है। कैमरों द्वारा प्राप्त चित्रों एवं संकेतों को सर्वर पर प्रोसेस कर विश्लेषण किया जाता है, जिसके आधार पर प्रत्येक वैगन की स्थिति का विस्तृत एवं सटीक रिपोर्ट तैयार किया जाता है।

एआई आधारित यह प्रणाली यार्ड में पारंपरिक निरीक्षण प्रक्रिया प्रारंभ होने से पूर्व ही वैगनों में संभावित क्षतियों का समग्र अवलोकन उपलब्ध कराती है। इससे यार्ड परीक्षण के दौरान दोषों की पहचान, मरम्मत की योजना बनाने तथा आवश्यक सुधार कार्यों को शीघ्रता से पूरा करने में सहायता मिलती है। यह प्रणाली स्व-अध्ययन (सेल्फ-लर्निंग) एआई तकनीक पर आधारित है, जिसके कारण समय के साथ इसकी कार्यक्षमता और सटीकता में निरंतर वृद्धि होती रहती है तथा सिस्टम द्वारा संकलित डाटा का विश्लेषण कर यह स्वयं को और अधिक सक्षम बनाता है।

तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कुशल निर्देशन एवं निरंतर प्रोत्साहन से जोन में आधुनिक एवं उन्नत तकनीकों को अपनाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। उनके मार्गदर्शन में रेल संरक्षा, परिचालन दक्षता तथा परिसंपत्तियों के रखरखाव को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न नवाचारों को लागू किया जा रहा है।

एआई आधारित वैगन डैमेज डिटेक्शन सिस्टम की स्थापना भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे मालगाड़ियों के वैगनों में होने वाली क्षतियों की पहचान अधिक तेजी और सटीकता के साथ की जा सकेगी तथा यार्ड निरीक्षण और मरम्मत कार्य को और अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाया जा सकेगा। इससे न केवल रेल संरक्षा सुदृढ़ होगी बल्कि माल परिवहन की दक्षता में भी उल्लेखनीय सुधार होगा।

रायपुर पुलिस की कार्रवाई : 132 नशेड़ी ड्राइवरों पर गिरी गाज, अभियान जारी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर शहर में सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत यातायात पुलिस द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही है। डॉ. संजीव शुक्ला पुलिस कमिश्नर और विकास कुमार पुलिस उपायुक्त, यातायात एवं प्रोटोकॉल के निर्देशानुसार शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जा रही है। शराब पीकर वाहन चलाने से दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है और वाहन ड्राइवर अपने जीवन के साथ-साथ दूसरे के जीवन के लिए भी खतरा पैदा करता है '

इसी क्रम में एम व्ही एक्ट की धारा 185 प्रावधानों के तहत शराब के नशे में वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष जनवरी से आज तक लगभग 1100 नशेड़ी वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही की जा चुकी है, जिन्हें नशे की हालत में वाहन चलाते हुए पकड़ा गया।

इस अभियान के अंतर्गत 14 मार्च की रात्रि में एडिशनल डीसीपी विवेक शुक्ला के नेतृत्व में शहर के आठ स्थानों पर यातायात थाना प्रभारी एवं यातायात पुलिस स्टॉफ के साथ विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान शराब पीकर वाहन चलाते हुए कुल 132 वाहन चालकों को पकड़ा गया, जिनके विरुद्ध चालान की कार्यवाही कर उन्हें सोमवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा।

लोगों में भ्रांति है कि पुलिस कोई टारगेट पूरा करने अभियान चलाती है, जबकि यातायात पुलिस का यह अभियान सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया है कि शराब पीकर वाहन चलाना न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह स्वयं तथा अन्य लोगों के जीवन के लिए गंभीर खतरा भी है, अतः इस पर जीरो टॉलरेंस की नीति जारी रहेगी। यातायात पुलिस रायपुर सभी वाहन चालकों एवं नागरिकों से अपील करती है कि वे सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करें और जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभायें । यातायात पुलिस द्वारा शहर में सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ऐसे विशेष अभियान आगे भी निरंतर चलाए जाते रहेंगे।

मरीजों की सेहत से समझौता नहीं' - स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

स्वास्थ्य मंत्री का मनेन्द्रगढ़ सिविल अस्पताल में औचक निरीक्षण

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने रविवार को शासकीय सिविल अस्पताल मनेन्द्रगढ़ का औचक निरीक्षण कर अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना तथा उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल में उपचार व्यवस्था, दवाइयों की उपलब्धता, साफ-सफाई तथा अन्य व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने डॉक्टरों एवं अस्पताल प्रबंधन से आवश्यक जानकारी लेते हुए मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को निर्देशित किया कि मरीजों को समय पर इलाज और आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल का औपचारिक निरीक्षण किया। रविवार होने के कारण ओपीडी बंद थी, इसके बावजूद उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली और साफ-सफाई को लेकर संतोष व्यक्त किया।

सीएचएमओ डॉ. खरे ने बताया कि अस्पताल परिसर में अनावश्यक रूप से आने वाले अवांछनीय तत्वों की रोकथाम के लिए सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है। ऐसे लोगों पर निगरानी रखने के लिए अस्पताल में सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था की गई है, जो दो शिफ्टों में तैनात रहते हैं। उन्होंने बताया कि भविष्य में जब मेडिकल कॉलेज प्रारंभ होगा, तब सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया जाएगा। इस दौरान सीएचएमओ डॉ. अविनाश खरे, स्वप्निल तिवारी, मंडल अध्यक्ष रवि वर्मा सहित अस्पताल के चिकित्सक, अधिकारी एवं स्टाफ उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार करें सभी खेल स्थलों को - यशवंत कुमार

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव ने नेशनल ट्राइबल गेम्स की तैयारियों की समीक्षा की

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार ने छत्तीसगढ़ की मेजबानी में देश में पहली बार हो रहे खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने आज रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर स्थित खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संचालनालय में आयोजित बैठक में आयोजन की व्यवस्थाओं में लगे विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने पर्याप्त समय रहते सभी इंतजाम पुख्ता रूप से सुनिश्चित करने को कहा।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार ने बैठक में कहा कि खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स राष्ट्रीय महत्व और छत्तीसगढ़ की प्रतिष्ठा से जुड़ा आयोजन है। इससे संबंधित सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त, पुख्ता एवं चौक-चौबंद होने चाहिए। उन्होंने सभी विभागों को कार्यों में तेजी लाते हुए पर्याप्त समय रहते सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आयोजन के लिए चिन्हांकित सभी खेल स्थलों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार करने को कहा।

श्री कुमार ने खेल मैदानों, खिलाड़ियों के ठहरने की जगहों, विमानतल और रेल्वे स्टेशन पर पर्याप्त संख्या में स्टॉफ तैनात करने के निर्देश दिए, ताकि आयोजन में भाग लेने पहुंचने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं अधिकारियों को किसी भी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के अधिकारियों को ट्राइबल गेम्स में हिस्सेदारी के लिए विभिन्न राज्यों से छत्तीसगढ़ आने वाले प्रतिभागियों को यहां की संस्कृति, पुरातत्व एवं कला की जानकारी देने के साथ ही पर्यटन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करने को कहा।

श्री कुमार ने आयोजन में विभिन्न भाषाओं वाले राज्यों की भागीदारी को देखते हुए उन भाषाओं के जानकार अधिकारियों-कर्मचारियों की पर्याप्त संख्या में ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती तनूजा सलाम और उप संचालक श्रीमती रश्मि ठाकुर सहित रायपुर जिला प्रशासन, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, अनुसूचित जनजाति विकास विभाग, परिवहन, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, संस्कृति, पर्यटन, जनसंपर्क, स्वास्थ्य विभाग, आकाशवाणी और दूरदर्शन के अधिकारी बैठक में मौजूद थे। अंबिकापुर और जगदलपुर के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बैठक में शामिल हुए।

रायपुर, जगदलपुर और अंबिकापुर में 25 मार्च से 3 अप्रैल तक होंगे नेशनल ट्राइबल गेम्स

छत्तीसगढ़ की मेजबानी में रायपुर, जगदलपुर और अंबिकापुर में 25 मार्च से 3 अप्रैल तक नेशनल ट्राइबल गेम्स की 7 खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इसमें दो अन्य खेलों, कबड्डी और मलखंब को डेमो के रूप में शामिल किया गया है। हॉकी, फुटबॉल, तैराकी, वेटलिफ्टिंग और तीरंदाजी की स्पर्धाएं रायपुर में होंगी। वहीं जगदलपुर में एथलेटिक्स और अंबिकापुर में कुश्ती की प्रतियोगिताएं होंगी। डेमो खेलों में कबड्डी का रायपुर में और मलखंब का प्रदर्शन अंबिकापुर में किया जाएगा। देश में पहली बार हो रहे खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स में 30 राज्यों के 2500 खिलाड़ी, प्रशिक्षक एवं अधिकारी शामिल होंगे।

महापौर मीनल चौबे ने राजधानी शहर रायपुर में मच्छरों के कारगर नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य विभाग अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे ने नगर निगम स्वास्थ्य विभाग अधिकारियों को राजधानी शहर रायपुर नगर निगम क्षेत्र के सभी 10 जोनों के अंतर्गत समस्त 70 वार्डों में रहवासियों को मच्छरों पर कारगर नियंत्रण पाने के सम्बन्ध में सख्त निर्देश दिए। महापौर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि नगर निगम स्वास्थ्य विभाग के सम्बंधित अधिकारीगण सख्त मॉनिटरिंग करते हुए यह हर हाल में सुनिश्चित करें कि मच्छरों के नियंत्रण हेतु रायपुर में सभी वार्डों में प्रभावी अभियान व्यापक रूप से धरातल पर चले।

रायपुर शहर के किसी भी वार्ड की किसी भी बस्ती, मोहल्ले, कॉलोनी में मच्छर जनित रोग कदापि नहीं फैलना चाहिए। स्वास्थ्य अधिकारी और सभी जोन स्वास्थ्य अधिकारीगण सभी वार्डों को शत प्रतिशत कवरेज करके रामकी कम्पनी के सफाई वाहनों की प्रतिदिन वार्डों में कड़ी निगरानी करवाकर डोर टु डोर कचरा कलेक्शन शत प्रतिशत क्षेत्र कवर करवाकर किया जाना सुनिश्चित करें, ताकि इसके सकारात्मक परिणाम स्वच्छ रैंकिंग बेहतर बनने के रूप में रायपुर शहर को प्राप्त हो सकें।

महापौर मीनल चौबे ने महापौर कार्यालयीन कक्ष में नगर निगम वित्त विभाग अध्यक्ष महेन्द्र खोडियार और नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही सहित सभी जोन स्वास्थ्य अधिकारियों की उपस्थिति में शहर की वर्तमान सफाई व्यवस्था की गहन समीक्षा करते हुए रायपुर की सफाई व्यवस्था को राजधानी शहर के अनुरूप सुधारने के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए। महापौर मीनल चौबे ने सभी वार्डों में सुबह लगभग 4 घण्टे तक किये जाने वाले एंटी लार्वा ट्रीटमेंट अभियान को अतिरिक्त बढ़ाकर छह घण्टे तक करने, व्यापक तौर पर कीटनाशक दवा अतिरिक्त टीमें लगाकर मच्छरों पर सभी वार्डों में कारगर नियंत्रण प्राप्त करने सख्त मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

महापौर मीनल चौबे ने सभी जोन स्वास्थ्य अधिकारियों को सभी नालों और नालियों की तले तक पूर्ण सघन सफाई अभियान चलाकर सभी 70 वार्डों में जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा हेतु करने निर्देशित किया है, ताकि नाली से गुजरने वाली पाईप लाईनों का सफाई पूर्ण व्यवस्थित होने पर पता लगाया जा सके और उन्हें तत्काल बाहर सुरक्षित शिफ्ट करवाने और पाईप लाईन लीकेज के प्राप्त होने वाले प्रकरणों पर शत प्रतिशत तत्काल निराकरण की कार्यवाही की जा सके

महापौर ने कहा कि नालियों की तले तक सफाई ना होने की स्थिति में नाली के भीतर से गुजर रही पुरानी पाईप लाइनों में संभावित लीकेज होने पर उसका पानी लोगों के घरों में आने की आशंका बनी रह सकती है, जो पूर्ण तले तक सभी नालियों और नालों की पूर्ण व्यवस्थित सफाई होने से निश्चय ही समाप्त हो सकेगी, यह कार्य जनहित में प्राथमिकता के साथ किया जाए।

साइंस कॉलेज दुर्ग में चहके चिड़िया अभियान का किया गया आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

साइंस कॉलेज दुर्ग में इको क्लब के तत्वावधान में चहके चिड़िया अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर के विभिन्न स्थानों पर पक्षियों के लिए मिट्टी के जलपात्र (सकोरे) रखे गए, ताकि भीषण गर्मी के दौरान प्यासे पक्षियों को पानी उपलब्ध कराया जा सके। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इको क्लब के संयोजक डॉ. एके पांडे तथा जूलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या मिंज के निर्देशन में इस अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जूलॉजी विभाग के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए महाविद्यालय परिसर के विभिन्न स्थानों पर पक्षियों के लिए जलपात्र स्थापित किए तथा उनमें नियमित रूप से पानी भरने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सह-संयोजक डॉ. उषा साहू, सतीश कुमार सेन, डॉ. नीरू अग्रवाल, अलका मिश्रा, जनेन्द्र कुमार दीवान एवं डॉ. सीमा पंजवानी सहित इको क्लब के सदस्य, प्राणीशास्त्र विभाग के प्राध्यापकगण तथा महाविद्यालय के बड़े बाबू संजय यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह अभियान पर्यावरण संरक्षण तथा जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता का संदेश देने वाला एक महत्वपूर्ण प्रयास है। महाविद्यालय परिवार ने समाज से भी अपील की है कि गर्मी के दिनों में पक्षियों के लिए अपने घरों और आस-पास के स्थानों पर पानी की व्यवस्था अवश्य करें।

संपादकीय

योजना तो अच्छी है, अमल बेहतर हो तो और अच्छा

कोई भी सरकार हो उसकी नीति अच्छी होती है, नीयत अच्छी होती है,अच्छी योजना भी बनाती है लेकिन अच्छी योजना का लाभ राज्य और राज्य के लोगों को मिले तो सबको अच्छा लगता है। किसी भी अच्छी योजना का लाभ तब ही राज्य व राज्य के लोगों को मिलता है जब उस पर अमल बेहतर हो, उसकी नियमित मानिटरिंग हो। रोज यह सुनिश्चित किया जाए कि योजना पर वैसा अमल हो रहा है या नहीं जैसा की योजना में तय किया गया है। अक्सर योजना बना दी जाती है और निचले स्तर तक उसकी मानिटरिंग नहीं होती है यानी कोई देखनेवाला नहीं होता है कि योजना पर अमल कैसा हो रहा है, योजना के लिए जो पैसा दिया जा रहा है, खर्च किया जा रहा है उसका सदुपयोग हो रहा या नहीं। पांच साल तक योजना के आंकड़े बताए जाते हैं लेकिन पांच साल बाद चलता है कि भ्रष्टाचार के कारण योजना में पैसा तो बहुत खर्च हुआ लेकिन उसका जितना लाभ राज्य व लोगों को मिलना था नहीं मिला।

साय सरकार की राज्य व राज्य के लोगों के लिए अनेक योजनाएं बनाई हैं,उसका लाभ भी लोगों को मिल रहा है। साय सरकार से यह अपेक्षा की जा रही थी कि वह गोवंश सुरक्षा के लिए कोई योजना बनाएगी और गो संरक्षण व गोसेवा का काम राज्य में बेहतर ढंग से किया जाएगा। आए दिन यह खबर पढ़ने को मिलती है कि सड़क पर बैठे निराश्रित गोवंशों की हादसों में मौत हो जाती है। उनके कारण हादसे होते हैं, उनके रहने व खाने की कोई अच्छी व्यवस्था नहीं है। भूख से उनकी मौत हो जाती है, बीमारी से उनकी मौत हो जाती है। इसे रोकने के लिए पिछली सरकार ने गोठान बनाए थे इसलिए साय सरकार से भी अपेक्षा की जा रही थी कि साय सरकार भी गोवंश के संरक्षण सेवा के लिए ऐसी कोई योजना बनाएगी। यह योजना वैसे तो साय सरकार के बनते ही बन जाती थी लेकिन कुछ देर से ही सही साय सरकार ने प्रदेश में 11 जिलों में 29 गोधामों का संचालन गत शनिवार को शुरु कर दिया है।

इस मौके पर सीएम साय ने बिलासपुर के कोटा ब्लाक के ग्राम जोगीपुर में राज्य के प्रथम गो अभयारण्य का शिलान्यास भी किया। यह अभयारण्य 184 एकड़ में विकसित किया जाएगा।प्रथम चरण में इसके लिए 1.32 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे । इसके पूर्ण होने पर यहां एक साथ 2500 गोवंश के संरक्षण व देखभाल की व्यवस्था होगी।गोधाम योजना के तहत राज्य में 1460 सुरभि गोधाम स्थापित किए जाएंगे ताकि राज्य में गोधन संरक्षण व गोसेवा अच्छे से हो सके। गोधाम योजना के तहत प्रति वर्ष पांच लाख रुपए अधोसंरचना निर्माण व मरम्मत के लिए,47 हजार से 2.85 लाख रुपए प्रति वर्ष 1.5 एकड़ में चारा विकास के लिए,13126 रुपए प्रतिमाह गोसेवको को मानदेय दिया जाएगा। 10916 रुपए प्रति माह चरवाहे को मानदेय दिया जाएगा।इसके अलावा अनुदान के रुपए में पहले साल प्रति दिन प्रति पशु 10 रुपए, दूसरे साल 20 रुपए,तीसरे साल 30 रुपए और चौथे साल 35 रुपए दिया जाएगा।

साय सरकार की इस योजना से गोसंरक्षण होगा और गोसेवा भी होगी ऐसी उम्मीद की जा रही है क्योंकि पिछली सरकार से साय सरकार ने गोवंश के लिए जहां अधोसंरचना निर्माण, चारागार की व्यवस्था की है, वहीं उनकी अच्छी देखभाल के लिए गोसेवक व चरवाहे की व्यवस्था भी की है और उनके लिए मानदेय की व्यवस्था भी की है, इससे साफ है कि यह गोसंरक्षण के साथ ही स्थानीय लोगों को इस योजना में रोजगार भी मिलेगा। गोवंश की सेवा के साथ ही लोगों को रोजगार मिलना तो सोने में सुहागे की तरह है।गोधाम में पशुपालन,हराचारा उत्पादन तथा गोबर से उपयोगी उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण मिलने से लोग स्थानीय लोगों को भी लाभ होगा। इससे जो पशु फसलों को नुकसान पहुंचाते थे, नहीं पहुंचाएंगे, जो पशु सड़कों पर बैठे रहते थे अब वह गोधाम में रहेंगे और उनको नियमित अच्छा आहार मिलेगा,स्वस्थ रहेंगे, बीमार होने पर उपचार होगा,बीमारी से मरेंगे नहीं।इससे पशुधन हादसे के शिकार नहीं होगे, उनके सड़क पर बैठे रहने से जो हादसे होते थे अब नहीं होंगे।

भारतीय संस्कृति व परंपरा में गोसेवा को सबसे ज्यादा पुण्य का काम माना जाता है। छत्तीसगढ़ में पोरा में गोधन की पूजा की जाती है।भाजपा की विचारधारा में भी गो संरक्षण व सेवा का खासा महत्व है। गो को माता मानकर उसकी सेवा को माता की सेवा माना जाता है। इसलिए देर से ही सही साय सरकार ने वह काम भी अब शुरू कर दिया है जिसकी अपेक्षा उससे राज्य में सरकार बनने के बाद से की जा रही थी। भाजपा घोषणा करती रही है कि गाय को राष्ट्र माता का दर्जा दिया जाएगा, गो हत्या पर रोक लगाई जाएगी। अब भाजपा सत्ता में है तो कई संत महात्मा भाजपा से यह मांग करते रहते हैं कि वह कब गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा देगी,कब उसकी हत्या पर रोक लगाने का कानून लाएगी। भाजपा का विचार गोकल्याण का है,उसने गौ कल्याण के लिए कई काम किए हैं। गौरक्षा के लिए अभियान चलाए हैं। गोतस्करों को पकड़कर पुलिस के हवाले किया है। हर राज्य में सरकार बनने पर भाजपा गोमाता के कल्याण के लिए योजना जरूर बनाती है ताकि गोमाता का संरक्षण व सेवा उसकी सरकार में अच्छे से हो सके।साय सरकार ने भी ऐसा किया है तो इसकी सराहना की जानी चाहिए कि भाजपा जैसा कहती है वैसा करती भी हौ।

वीबी-जी-राम-जी यूथ डिजिटल कैंपेन से युवाओं को मिलेगा अपनी प्रतिभा को दिखाने का मंच

प्रविष्टियां ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि 20 मार्च

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा माय भारत पोर्टल के सहयोग से राष्ट्रव्यापी डिजिटल पहल वीबी-जी-राम-जी यूथ डिजिटल कैंपेन की शुरुआत की गई है। इस अभियान का उद्देश्य देश के युवाओं को ग्रामीण विकास, रोजगार सृजन और आजीविका संवर्धन से जुड़ी गतिविधियों से जोड़ना है। डिजिटल माध्यम से चलाए जा रहे इस अभियान के जरिए युवाओं को अपने गांव की सकारात्मक कहानियां, नवाचार और विकास कार्यों को देशभर के सामने लाने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अंतिम तिथि 20 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक युवा माय भारत पोर्टल और माय जीओभी पोर्टल के माध्यम से अपनी प्रविष्टियां ऑनलाइन जमा कर सकते हैं।

रायगढ़ जिले में भी इस अभियान को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। सीईओ जिला पंचायत श्री अभिजीत बबन पठारे ने जिले के युवाओं से कहा कि यह अभियान युवाओं के लिए अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता को प्रदर्शित करने का सुनहरा मौका है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहे विकास कार्य, रोजगार के नए अवसर, स्वरोजगार की पहल और आजीविका से जुड़ी गतिविधियों को युवाओं के माध्यम से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रस्तुत किया जा सकता है, जिससे अन्य क्षेत्रों को भी प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कि यह अभियान युवाओं को तकनीक से जोड़ते हुए उन्हें देश के विकास की मुख्यधारा में लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

इस डिजिटल अभियान के तहत युवाओं के लिए तीन प्रमुख प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं, जिनमें भाग लेकर वे अपनी रचनात्मकता और ज्ञान का प्रदर्शन कर सकते हैं। पहली प्रतियोगिता वीडियो चैलेंज इसमें प्रतिभागियों को अपने गांव के विकास, रोजगार के अवसर, आजीविका गतिविधियों या किसी सकारात्मक पहल को दर्शाते हुए 30 से 60 सेकंड की शॉर्ट वीडियो या रील बनानी होगी। इस वीडियो को माय भारत पोर्टल पर अपलोड करना होगा, जिसकी अधिकतम फाइल साइज 25 एमबी निर्धारित की गई है। इस प्रतियोगिता में विशेष रूप से 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को भाग लेने का अवसर दिया गया है। उत्कृष्ट प्रतिभागियों को भारत सरकार के कार्यक्रम में अपने अनुभव साझा करने का अवसर भी प्रदान किया जाएगा।

दूसरी गतिविधि ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता है। इसमें प्रतिभागियों को माय भारत पोर्टल पर उपलब्ध अधिनियम और अभियान से संबंधित 20 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस क्विज में सफलतापूर्वक भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को ऑनलाइन सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा, जिससे युवाओं को ज्ञान के साथ-साथ प्रमाणपत्र भी मिलेगा। तीसरी प्रतियोगिता लोगो डिजाइन प्रतियोगिता है, जो विकसित भारत-जी राम जी एक्ट, 2025 के लिए आयोजित की जा रही है। इसमें प्रतिभागियों को एक आकर्षक और रचनात्मक लोगो डिजाइन करना होगा, जो अभियान की भावना और उद्देश्य को दर्शाए। इस प्रतियोगिता में चयनित सर्वश्रेष्ठ लोगो के लिए 50 हजार रुपए का नकद पुरस्कार रखा गया है। साथ ही चयनित लोगो का उपयोग भविष्य में इस अभियान से जुड़ी आधिकारिक प्रचार सामग्री और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा। इस संबंध में अन्य विस्तृत जानकारी के लिए जिला पंचायत कार्यालय के जिला कार्यक्रम समन्वयक (मनरेगा) शाखा रायगढ़ में संपर्क कर सकते है। जिला प्रशासन ने युवाओं से अपील की है कि वे इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं, अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें और अपने गांव के विकास की कहानी को देश के सामने लाने में योगदान दें। यह अभियान न केवल युवाओं को डिजिटल मंच प्रदान करेगा, बल्कि ग्रामीण भारत की प्रगति को भी नई पहचान दिलाएगा।

गुंटूर की खास किस्म गुंटूर सन्नम मिर्च अपने तेज रंग और तीखे स्वाद के लिए प्रसिद्ध

गुंटूर सन्नम मिर्च अपने तेज रंग और तीखे स्वाद के लिए प्रसिद्ध हालांकि भूत जोलोकिया और ब्याडगी जैसे मसाले काफी मशहूर हैं, लेकिन भारत की 'मिर्च की राजधानी' अभी भी कुछ हद तक गुमनाम ही है। आंध्र प्रदेश का गुंटूर शहर देश के मिर्च व्यापार में एक अहम भूमिका निभाता है और अपनी तीखी मिर्च की पैदावार के लिए इसे दुनिया भर में पहचान मिली है।

राज्य के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में बसा गुंटूर, भारत में लाल मिर्च के सबसे बड़े उत्पादकों और निर्यातकों में से एक है। इस शहर की शोहरत का ज़्यादातर श्रेय यहाँ के मशहूर 'गुंटूर चिली यार्ड' को जाता है, जिसे एशिया के सबसे बड़े मिर्च व्यापार बाजारों में से एक माना जाता है। हर साल, हजारों किसान और व्यापारी यहाँ इकट्ठा होते हैं ताकि वे टन-के-टन मिर्च खरीद और बेच सकें; बाद में यही मिर्च भारत के अलग-अलग हिस्सों और दुनिया के कई देशों में भेजी जाती है। हाल ही में, आनंद महिंद्रा ने अपने अकाउंट पर इन मिर्च यार्ड्स के कुछ बेहद खूबसूरत हवाई नजारे शेयर किए। अपनी पोस्ट में, इस मशहूर बिजनेसमैन ने सुझाव दिया कि इन इलाकों में 'हॉट एयर बैलून' की सवारी की सुविधा शुरू करना, शहर में पर्यटन को बढ़ावा देने का एक बेहतरीन तरीका हो सकता है।

भारत की मिर्च की राजधानीः गुंटूर इस इलाके की उपजाऊ जमीन और गर्म मौसम, यहाँ मिर्च उगाने के लिए एकदम सही माहौल बनाते हैं। आस-पास के ज़िलों के किसान मिर्च की कई किस्में उगाते हैं, जिनमें मशहूर 'गुंटूर सन्नम मिर्च' भी शामिल है; यह मिर्च अपने चटख लाल रंग और तीखे स्वाद के लिए जानी जाती है। इस किस्म का इस्तेमाल भारतीय खान-पान में बड़े पैमाने पर किया जाता है और इसे विदेशों में भी निर्यात किया जाता है। यहाँ पैदा होने वाली मिर्च अपनी खास रंगत और तीखेपन के लिए मशहूर है।

गुंटूर की मिर्च इतनी मशहूर है कि इसे 'जियोग्राफिकल इंडिकेशन' टैग भी मिला हुआ है; यह टैग उन उत्पादों को दिया जाता है जिनका कोई खास क्षेत्रीय मूल हो और जिनमें कुछ अनोखी खूबियाँ हों। इस पहचान ने, मिर्च की खेती और व्यापार के केंद्र के तौर पर इस शहर की साख को और भी मजबूत किया है। रिपोर्टों के मुताबिक, आंध्र प्रदेश के इन इलाकों में भारत की कुल मिर्च पैदावार का लगभग 45% हिस्सा उगाया जाता है। गुंटूर (आंध्र प्रदेश) की सैर करना, घूमने-फिरने के शौकीन लोगों के लिए क्यों जरूरी है?

मिर्च के बाजारों के अलावा, गुंटूर आने वाले यात्रियों को संस्कृति, इतिहास और खान-पान का एक अनोखा मेल भी पेश करता है। यहाँ आने वाले लोग आस-पास के धार्मिक स्थलों की सैर कर सकते हैं, जैसे कि अमरावती— कृष्णा नदी के किनारे बसा एक प्राचीन शहर। यह इलाका अपनी ऐतिहासिक बौद्ध विरासत और नदी के शांत नजारों के लिए जाना जाता है। खाने-पीने के शौकीन लोग भी इस इलाके के खास 'आंध्र व्यंजन' का लुत्फ उठा सकते हैं; ये व्यंजन अपने तीखे और चटपटे स्वाद, और मसालों के भरपूर इस्तेमाल के लिए मशहूर हैं। यहाँ के स्थानीय व्यंजन, जैसे कि मसालेदार करी, अचार और चावल से बनी डिशेज, इस क्षेत्र की मिर्चों के अनोखे स्वाद को उभारते हैं। गुंटूर घूमने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से फरवरी के बीच है, जब मौसम काफी सुहावना रहता है। इस दौरान, यात्री मिर्च के बाजारों में घूम सकते हैं, स्थानीय त्योहारों का आनंद ले सकते हैं और आस-पास के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों की छोटी-छोटी यात्राएँ कर सकते हैं।

सू- दोकू क्र.344

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.343का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

जागरूक उपभोक्ता ही सशक्त समाज की पहचान

लोकेश्वर सिंह

15 मार्च को विश्वभर में विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया जाता है। यह दिवस उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने, बाजार में पारदर्शिता बढ़ाने और उपभोक्ताओं को शोषण से बचाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। आज के दौर में जब बाजार का स्वरूप तेजी से बदल रहा है, वैश्वीकरण और डिजिटल तकनीक के कारण खरीद-बिक्री के तरीके नए रूप ले रहे हैं, ऐसे समय में उपभोक्ता अधिकारों की जानकारी होना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

उपभोक्ता अधिकार दिवस की पृष्ठभूमि

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाने की प्रेरणा 15 मार्च 1962 को अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति श्रवीद F& Kennedy द्वारा अमेरिकी संसद में दिए गए ऐतिहासिक भाषण से मिली। इस भाषण में उन्होंने पहली बार उपभोक्ताओं के चार मूलभूत अधिकारों सुरक्षा का अधिकार, जानकारी पाने का अधिकार, विकल्प का अधिकार और सुने जाने का अधिकार का उल्लेख किया था। बाद में इन सिद्धांतों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार किया गया और वर्ष 1983 से 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

भारत में उपभोक्ता संरक्षण की व्यवस्था

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण बाजार वाले देश में उपभोक्ता अधिकारों का महत्व और भी अधिक है। यहां करोड़ों लोग प्रतिदिन विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं का उपयोग करते हैं, इसलिए उनके अधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी कानून और संस्थागत व्यवस्था आवश्यक है उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए भारत सरकार ने Consumer Protection Act, 2019 लागू किया, जिसने पुराने Consumer Protection Act, 1986 का स्थान लिया। यह कानून उपभोक्ताओं को भ्रामक विज्ञापनों, घटिया या दोषपूर्ण उत्पादों, सेवा में लापरवाही, अधिक मूल्य वसूली और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं से सुरक्षा प्रदान करता है।

स कानून के तहत जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उपभोक्ता आयोगों की स्थापना की गई है, जहां उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज कर न्याय प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा उपभोक्ता मामलों के लिए केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) जैसी संस्थाएं भी कार्यरत हैं, जो बाजार में अनुचित व्यापारिक गतिविधियों पर निगरानी रखती हैं।

डिजिटल युग में नई चुनौतियां

आज के डिजिटल युग में ई-कॉमर्स, ऑनलाइन खरीदारी और डिजिटल भुगतान का उपयोग तेजी से बढ़ा है। इससे उपभोक्ताओं को सुविधा तो मिली है, लेकिन साथ ही कुछ नई चुनौतियां भी सामने आई हैं। फर्जी वेबसाइट, नकली उत्पाद, साइबर ठगी और डेटा चोरी जैसे मामले उपभोक्ताओं के लिए चिंता का विषय बनते जा रहे हैं।

इन समस्याओं से निपटने के लिए सरकार ने कई डिजिटल पहल शुरू की हैं। उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए National Consumer Helpline pro तथा ए &Daakhil Portal जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराए गए हैं। इनके माध्यम से उपभोक्ता घर बैठे अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं और उसकी स्थिति की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

उपभोक्ताओं के अधिकार

उपभोक्ताओं को कई महत्वपूर्ण अधिकार प्राप्त हैं, जिनका उद्देश्य उन्हें सुरक्षित और न्यायपूर्ण बाजार व्यवस्था प्रदान करना है। प्रमुख अधिकारों में शामिल हैं-

सुरक्षा का अधिकार - जीवन और संपत्ति के लिए हानिकारक वस्तुओं से सुरक्षा पाने का अधिकार।

जानकारी पाने का अधिकार - वस्तु या सेवा की गुणवत्ता, मात्रा, मूल्य और उपयोग से जुड़ी सही जानकारी प्राप्त करने का अधिकार।

विकल्प का अधिकार - प्रतिस्पर्धी मूल्य पर विभिन्न विकल्पों में से वस्तु या सेवा चुनने का अधिकार।

सुने जाने का अधिकार - अपनी शिकायत या सुझाव को उचित मंच पर प्रस्तुत करने का अधिकार।

क्षतिपूर्ति का अधिकार - किसी भी प्रकार के नुकसान या शोषण की स्थिति में मुआवजा पाने का अधिकार।

उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार - अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अधिकार।

स्वस्थ पर्यावरण का अधिकार - स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण में जीवन जीने का अधिकार।

जागरूकता ही सबसे बड़ी शक्ति

भारत में उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने के लिए 'जागो ग्राहक जागो' जैसे व्यापक अभियान चलाए गए हैं। इन अभियानों का उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि बाजार में सुरक्षित और समझदारी से व्यवहार करना उनकी जिम्मेदारी भी है। किसी भी वस्तु या सेवा को खरीदते समय बिल अवश्य लेना, एमआरपी देखना, गुणवत्ता की जांच करना और नियम-शर्तो को ध्यान से पढ़ना जैसे छोटे-छोटे कदम उपभोक्ताओं को बड़े नुकसान से बचा सकते हैं।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस हमें यह संदेश देता है कि जागरूक उपभोक्ता ही सशक्त समाज और मजबूत अर्थव्यवस्था की आधारशिला है। जब उपभोक्ता अपने अधिकारों के प्रति सजग होंगे और किसी भी प्रकार की अनियमितता के खिलाफ आवाज उठाएंगे, तभी बाजार व्यवस्था पारदर्शी, जवाबदेह और उपभोक्ता हितैषी बन सकेगी।

उपभोक्ता जागरूकता केवल व्यक्तिगत हितों की रक्षा नहीं करती, बल्कि यह समाज में नैतिक व्यापार, पारदर्शिता और जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत बनाती है। यही कारण है कि आज के समय में जागरूक उपभोक्ता को सशक्त राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण कड़ी माना जाता है।

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

संस्कृत भाषा चिंता को चिंतन में बदल देती है – डॉ. अजय आर्य

एक विचार गोष्ठी में संस्कृत भाषा के शिक्षकों ने संस्कृत के महत्व, उसकी उपयोगिता तथा वर्तमान समय में उसकी प्रासंगिकता पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का नेतृत्व वरिष्ठ शिक्षक दिनेश शुक्ला ने किया। इस अवसर पर शिक्षकों ने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति, ज्ञान और जीवन दर्शन की आधारशिला है।

मुख्य वक्ता डॉ. अजय आर्य ने अपने संबोधन में कहा कि संस्कृत भाषा मनुष्य के मन और विचारों को सकारात्मक दिशा प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि संस्कृत की विशेषता यह है कि यह चिंता को चिंतन में बदलने की शक्ति रखती है। आज के तनावपूर्ण जीवन में यदि कोई व्यक्ति डिप्रेशन या टेंशन महसूस करता है तो संस्कृत की सूक्तियां उसे प्रेरणा और मानसिक शांति प्रदान कर सकती हैं। उन्होंने महान संस्कृत कवि भर्तृहरि के प्रसिद्ध शतकत्रय का उल्लेख करते हुए कहा कि भर्तृहरि ने मानव जीवन की विभिन्न अवस्थाओं को अत्यंत सरल और गहन रूप में प्रस्तुत किया है। उनके तीन शतक—नीति शतक, वैराग्य शतक और श्रृंगार शतक—मनुष्य के जीवन की सामान्य आवश्यकताओं, नैतिक मूल्यों और भावनात्मक पक्षों को संतुलित रूप से समझने का मार्ग दिखाते हैं। इस संदर्भ में डॉ. आर्य ने भर्तृहरि की एक व्यवहारिक और प्रेरणादायक सूक्ति का उल्लेख किया—

'आरभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः,
आरभ्य विघ्नविहिता विरमन्ति मध्याः।
विघ्नैः पुनः पुनरपि प्रतिहन्यमानाः,
प्रारब्धमुत्तमजनाः न परित्यजन्ति॥'

अर्थात निम्न श्रेणी के लोग बाधाओं के डर से कार्य आरंभ ही नहीं करते, मध्यम श्रेणी के लोग कार्य शुरू तो करते हैं पर बाधा आने पर छोड़ देते हैं, जबकि श्रेष्ठ व्यक्ति बार-बार बाधाएं आने पर भी अपने आरंभ किए हुए कार्य को नहीं छोड़ते। उन्होंने कहा कि ऐसी सूक्तियां व्यक्ति को जीवन में धैर्य, साहस और निरंतर प्रयास की प्रेरणा देती हैं।

कार्यक्रम के संयोजक दिनेश शुक्ला ने कहा कि संस्कृत भारतीय संस्कृति की आत्मा है और इसके अध्ययन से व्यक्ति में नैतिकता, अनुशासन और सकारात्मक सोच का विकास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों और समाज के सभी वर्गों से संस्कृत भाषा के अध्ययन और संरक्षण के लिए आगे आने का आह्वान किया।

इस अवसर पर जसविंदर कौर, अनुपमा उपाध्याय, आशा यादव, मनोरमा गुप्ता तथा धात्री सहित अन्य शिक्षकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। जसविंदर कौर ने कहा कि संस्कृत भाषा विश्व की प्राचीनतम और वैज्ञानिक भाषाओं में से एक है, जिसकी संरचना अत्यंत व्यवस्थित और तर्कसंगत है। अनुपमा उपाध्याय ने अपने वक्तव्य में कहा कि संस्कृत केवल अतीत की भाषा नहीं बल्कि भविष्य की संभावनाओं से भी जुड़ी हुई भाषा है, क्योंकि इसमें ज्ञान-विज्ञान का विशाल भंडार सुरक्षित है। आशा यादव ने कहा कि संस्कृत के माध्यम से भारतीय संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों को नई पीढ़ी तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जा सकता है।

मनोरमा गुप्ता ने कहा कि संस्कृत साहित्य व्यक्ति को जीवन में संतुलन, धैर्य और विवेक का मार्ग सिखाता है। धात्री ने अपने विचार रखते हुए कहा कि संस्कृत भाषा का नियमित अध्ययन मन को शांति और स्थिरता प्रदान करता है तथा व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास में सहायक होता है। कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षकों ने संस्कृत भाषा के संरक्षण, संवर्धन और प्रसार के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करने का संकल्प व्यक्त किया।

खास खबर

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से लाभान्वित हुई निशि श्रीवास

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

खैरागढ़, छुईखदान गंडई जिले के ग्राम टेकापार कला की निवासी श्रीमती निशि श्रीवास ने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट का सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कर प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ प्राप्त किया है। सोलर प्लांट लगवाने से पहले उनके घर का बिजली बिल लगभग 500 प्रतिमाह आता था, जिससे घरेलू खर्चों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता था।

योजना के अंतर्गत सोलर पैनल स्थापित होने के बाद अब उनकी स्थिति में सकारात्मक बदलाव आया है। सोलर सिस्टम से बिजली का उत्पादन होने के कारण उनका बिजली बिल अब शून्य (0) हो गया है। हाल ही में उनके सोलर प्लांट से कुल 282 यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ, जिस पर उन्हें 474 का सोलर रिबेट भी प्राप्त हुआ। श्रीमती निशि श्रीवास का कहना है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से न केवल बिजली बिल में राहत मिली है, बल्कि यह स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। अब वे अपने गांव तथा आसपास के लोगों को भी इस योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

सीआईएसएफ में डीआईजी बनाए गए रायपुर के एसपी रहे आईपीएस संतोष सिंह

रायपुर। छत्तीसगढ़ कैडर के 2011 बैच के आईपीएस संतोष सिंह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाएंगे। उन्हें केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में डीआईजी के पद पर डेपुटेशन मिली है। वर्तमान में संतोष सिंह पुलिस मुख्यालय में डीआईजी सीसीटीएनएस – एसीआरवी के पद पर पदस्थ हैं। बता दें कि अवैध नशे के खिलाफ आईपीएस संतोष सिंह के निजात अभियान के चलते उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आईएससीपी अवार्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है। मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स ने आईपीएस संतोष सिंह की डेपुटेशन को मंजूरी देते हुए इसके आदेश जारी कर दिए हैं। अंडर सेक्रेटरी संजीव कुमार ने इसके आदेश जारी किए हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव को भेजे गए पत्र में उन्होंने आईपीएस सिंह को तत्काल नई जिम्मेदारी पर ज्वाइन करने के लिए रिलीव करने को कहा है।

पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने पदोन्नत उपनिरीक्षक के कंधे पर स्टार लगाकर दी बधाई

रायपुर। पुलिस कमिश्नर कार्यालय सिविल लाइन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट रायपुर में पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक गेंदूराम नवरंग को उपनिरीक्षक पद पर विभागीय पदोन्नति प्रदान किए जाने हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला एवं अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अमित तुकाराम कांबले ने गेंदूराम नवरंग के कंधे पर स्टार लगाकर उन्हें उपनिरीक्षक पद पर पदोन्नत किया। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों ने पदोन्नत अधिकारी को शुभकामनाएँ देते हुए उन्हें नवीन पद के साथ प्राप्त दायित्वों एवं कर्तव्यों का निर्वहन और अधिक निष्ठा, ईमानदारी तथा जिम्मेदारी के साथ करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक रायपुर ग्रामीण श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अर्चना झा, सहायक पुलिस आयुक्त डॉ. नरेश पटेल सहित परिजन उपस्थित रहे।

गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ छत्तीसगढ़ का सामूहिक विवाह

6,412 जोड़ों के साथ सामाजिक समरसता के साथ ऐतिहासिक मिसाल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ ने सामाजिक समरसता, जनभागीदारी और संवेदनशील शासन की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए विश्व स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान दर्ज कराई है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित राज्य स्तरीय सामूहिक विवाह समारोह को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान मिला है। एक ही दिन में हजारों जोड़ों का विवाह संपन्न कराकर छत्तीसगढ़ ने सामाजिक एकता और अंत्योदय की भावना का ऐसा प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिसकी देशभर में सराहना हो रही है।

10 फरवरी को राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित इस भव्य समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सान्निध्य में पूरे प्रदेश से कुल 6,412 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे। इनमें से 1,316 जोड़ों का विवाह रायपुर में प्रत्यक्ष रूप से संपन्न हुआ, जबकि शेष जोड़े प्रदेश के विभिन्न जिलों से वर्चुअल माध्यम से इस ऐतिहासिक आयोजन से जुड़े। सभी विवाह धार्मिक परंपराओं और सामाजिक रीति-रिवाजों के अनुरूप संपन्न कराए गए, जिससे यह आयोजन केवल एक सरकारी कार्यक्रम न रहकर सामाजिक समरसता और सामूहिक खुशियों का विराट उत्सव बन गया।

इस ऐतिहासिक आयोजन को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया जाना छत्तीसगढ़ के लिए गर्व और गौरव का विषय है। इस समारोह की विशेषता यह भी रही कि इसमें हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध तथा विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय के जोड़ों ने अपने-अपने धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह संपन्न किए। यह आयोजन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता, आपसी सद्भाव और सर्वधर्म समभाव की भावना का जीवंत प्रतीक बन गया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए सम्मान, विश्वास और सामाजिक सुरक्षा का मजबूत आधार बन गई है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बेटियों का विवाह बड़ी चिंता का विषय होता था, लेकिन इस योजना ने उस चिंता को दूर कर हजारों परिवारों के जीवन में नई खुशियां और विश्वास का संचार किया है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक नवविवाहित दंपति को 35 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में की गई थी और वर्तमान सरकार इसे और अधिक व्यापक स्वरूप देते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे और सामाजिक समरसता को और मजबूत बनाया जाए।

यह ऐतिहासिक आयोजन इस बात का प्रमाण है कि जब शासन की योजनाएं संवेदनशीलता, जनभागीदारी और सामाजिक सहयोग के साथ लागू होती हैं, तब वे केवल सरकारी योजनाएं नहीं रह जातीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा बन जाती हैं। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ को सामाजिक समरसता और जनकल्याण के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान प्रदान करती है।

नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों पर चर्चा

जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी व छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना का रायपुर जिला की हुई संयुक्त बैठक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी एवं छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना का रायपुर जिला का संयुक्त बैठक संपन्न हुआ। बैठक में रायपुर शहर से रायपुर नगर निगम एवं बिरगांव नगर निगम के पदाधिकारी एवं सेनानी शामिल हुए। बैठक में आगामी बीरगांव नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों की चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे जैसीपी प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पार्टी प्रवक्ता चंद्रकांत यदु ने संगठन पदाधिकारियों को हर छत्तीसगढ़िया से सीधा संपर्क स्थापित करने और ज्यादा से ज्यादा संख्या में सदस्यता करने कहा।

दस लाख राजधानीवासियों का प्यास बुझाने वाली खारून नदी की दयनीय स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए सरकार की अनदेखी के खिलाफ संगठन खारून दाई पदयात्रा के द्वितीय चरण की शुरुआत करेगा। जैसीपी रायपुर उपाध्यक्ष ऋचा वर्मा में बताया कि शहर से लगे हुए आधा दर्जन तटीय गांव में खारून नदी पूरी तरह से जलकुंभी से पटा हुआ है जिसके कारण ग्रामीणों को निस्तारी समस्या हो रही है। साथ ही छोटे मछली पालक एवं महादेव घाट में नौका विहार करने वाले नाविकों के सामने जीविकोपार्जन की समस्या भी उत्पन्न हो गई है। छत्तीसगढ़िया युवा क्रान्ति सेना के जिला संयोजक राहुल वर्मा ने जानकारी दिया कि खारून नदी में कुल आठ एसटीपी प्लांट लगने हैं जो अभी तक स्थापित नहीं किए जा सके हैं कुछ प्लांट निजी संस्था से संचालित करवाए जा रहे जो वर्षों से बंद पड़े हैं जबकि निजी संस्था सरकार से मेंटेनेंस राशि प्राप्त कर रही है। सीवरेज नालियों का गंदा पानी सीधे नदी में मिलने से यमुना नदी की तर्ज पर केमिकल का झाग नदी के ऊपर तैरने लगा है।

बैठक में प्रदेश में बढ़ रहे सूखे नशे को लेकर सरकार के ढुलमुल रवैये के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। साथ ही जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी की महतारी विंग प्रत्येक रविवार को वार्ड-वार्ड में प्रभात फेरी निकालकर नशा मुक्ति अभियान को अंजाम दे रही हैं जिसे और बड़े स्तर पर किए जाने रणनीति बनाई गई। जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के रायपुर जिला अध्यक्ष गोपी साहू ने सभी पदाधिकारियों को सदस्यता अभियान में बढ़ चढ़ कर भाग लेने प्रोत्साहित किया। अध्यक्ष ने वार्ड 17 के अध्यक्ष की जिम्मेदारी चंद्रशेखर को प्रदान किया है।

जशप्योर स्टॉल को मिली सराहना, महुआ को सुपरफूड के रूप में मिली नई पहचान

नई दृष्टिबिंदु / जशपुर

आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (TRTI), नवा रायपुर द्वारा 13-14 मार्च 2026 को आयोजित आदि परब-2026 कार्यक्रम "From Tradition to Identity" थीम के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। भारत सरकार के सहयोग से आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम में जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक ज्ञान, हस्तशिल्प और वन आधारित उत्पादों को प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागियों, शोधकर्ताओं, अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में आगंतुकों ने भाग लिया। इस आयोजन में जशपुर जिले के ब्रांड जशप्योर द्वारा भी स्टॉल लगाया गया, जिसे आगंतुकों, अधिकारियों और विशेषज्ञों से व्यापक सराहना प्राप्त हुई। स्टॉल पर प्रदर्शित उत्पादों की उच्च गुणवत्ता, पारंपरिक प्रसंस्करण पद्धति और प्रीमियम पैकेजिंग को लेकर लोगों ने विशेष रुचि दिखाई।

स्टॉल का मुख्य आकर्षण महुआ आधारित उत्पाद रहे। बड़ी संख्या में आगंतुकों ने महुआ के पारंपरिक उपयोगों के साथ-साथ उसे पोषण से भरपूर एक प्राकृतिक सुपरफूड के रूप में प्रस्तुत करने की पहल की सराहना की। जय जंगल द्वारा महुआ को केवल पारंपरिक मद्य से जोड़कर देखने की धारणा से बाहर निकालते हुए उसे स्वास्थ्य, पोषण और पारंपरिक खाद्य प्रणाली के रूप में स्थापित करने का प्रयास लोगों को विशेष रूप से आकर्षित करता दिखाई दिया।

जशप्योर, जशपुर जिले से शुरू हुई एक पहल है, जिसका उद्देश्य जंगल और जनजातीय समुदायों से जुड़े पारंपरिक खाद्य संसाधनों को सम्मानपूर्वक मुख्यधारा तक पहुँचाना है। यह पहल प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की दूरदर्शी सोच से प्रेरित है जिसमें महुआ को केवल शराब तक सीमित न रखकर उसे पोषण, स्वास्थ्य और जनजातीय आजीविका के महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में विकसित करने पर जोर दिया गया है।

आदि परब-2026 में जशप्योर का प्रतिनिधित्व अनिश्वरी भगत एवं प्रभा साय द्वारा किया गया, जिन्होंने आगंतुकों को उत्पादों की विशेषताओं, पारंपरिक प्रसंस्करण विधियों तथा महुआ के पोषण महत्व के बारे में जानकारी दी। स्टॉल पर बड़ी संख्या में लोगों ने उत्पादों के बारे में विस्तार से जानकारी ली और जशपुर से जुड़ी इस पहल की सराहना की।

जशप्योर के माध्यम से महुआ, मिलेट्स और पारंपरिक रूप से संसाधित चावल जैसे उत्पादों को आधुनिक उपभोक्ताओं तक पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसमें जनजातीय महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह पहल न केवल पारंपरिक खाद्य प्रणालियों को पुनर्जीवित करने का प्रयास है बल्कि स्थानीय समुदायों की आजीविका को भी सशक्त बना रही है।

किशोरी से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। जिले के महिला थाना में 15 मार्च 2026 को 17 वर्षीय बालिका अपने परिजनों के साथ उपस्थित होकर उध्दव दास महंत (उम्र 21 वर्ष), निवासी टाड़ीपार वार्ड क्रमांक 06, थाना केडार जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़, वर्तमान निवास बाजीपाली पटेल के किराए के मकान थाना जुटमिल रायगढ़ के विरुद्ध जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाने एवं डरा-धमकाकर 10,000 लेने की शिकायत दर्ज कराई। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए महिला थाना द्वारा तत्काल अपराध क्रमांक 18/2026 धारा 64, 351(3) बी.एन.एस. तथा 04 पोक्सो एक्ट के तहत मामला कायम कर आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

दुर्ग राष्ट्रीय लोक अदालत में सफलता का नया कीर्तिमान रचा

10,13,730 प्रकरणों का आपसी समझौते से हुआ निराकरण, मुख्य न्यायाधीश सिन्हा की उपस्थिति में हुआ संपन्न

नई दृष्टिबिंदु / ०००००

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार तथा छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय दुर्ग में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस आयोजन का औपचारिक शुभारंभ मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ रमेश सिन्हा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में, न्यायालय परिसर पहुँचने पर मुख्य न्यायाधीश एवं पोटफोलियो जज की एनसीसी (NCC) कैडेट्स के एक अनुशासित दस्ते द्वारा भव्य अगवानी की गई और उन्हें सम्मानपूर्वक मंच तक एस्कॉर्ट किया गया। कैडेट्स की इस भागीदारी ने समारोह की गरिमा और अनुशासन में अभिवृद्धि की।

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा की उपस्थिति ने न्यायिक बिरादरी और पक्षकारों में उत्साह का संचार किया। अपने संबोधन में मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि लोक अदालत केवल प्रकरणों के बोझ को कम करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समाज में 'सुलह से न्याय' की भावना को स्थापित करने का एक सशक्त मंच है। विधिक जागरूकता को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से, इस अवसर पर मुख्य न्यायाधीश द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व पर आधारित एक विशेष 'पंडवानी गीत' का विमोचन किया गया ,इस अवसर पर न्यायमूर्ति नरेश कुमार चंद्रवंशी, न्यायाधीश, उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ एवं पोटफोलियो जज, जिला दुर्ग की विशेष उपस्थिति रहे ।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक उत्साह का संचार करते हुए, जिला न्यायालय बार के सदस्यों की सांस्कृतिक एवं नुक्कड़-नाटक टीम द्वारा न्यायालय परिसर में इस विशेष पंडवानी गायन एवं गीत प्रदर्शित किया गया। गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में इस दी गयी उपस्थिति की विशेष सराहना की गयी। बार के सदस्यों द्वारा कला के माध्यम से विधिक जागरुकता फैलाने के इस अनूठे प्रयास ने सभी का मन मोह लिया ।

इस राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल संचालन हेतु जिला न्यायालय दुर्ग, परिवार न्यायालय तथा भिलाई-3, पाटन एवं धमधा स्थित न्यायालयों में कुल 39 पीठों का गठन किया गया था। सघन प्रयासों के फलस्वरूप आज कुल 10,13,826 प्रकरणों को आपसी समझौते हेतु रखा गया, जिनमें से कुल 10,13,730 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। इन प्रकरणों के निपटारे के माध्यम से कुल 49,60,31,667 रुपये की समझौता एवं अवार्ड राशि पारित की गई, जिससे वर्षों से लंबित विवादों का अंत हुआ और पक्षकारों को त्वरित राहत प्राप्त हुई ।

विभिन्न श्रेणियों के प्रकरणों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई, जिसमें समझौता योग्य आपराधिक मामले, दीवानी वाद और चेक बाउंस के मामले शामिल थे। सामाजिक सौहार्द की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि के रूप में, परिवार न्यायालय में काउंसलिंग के माध्यम से बिछड़े हुए जोड़ों ने पुनः एक साथ रहने का निर्णय लिया। इसके साथ ही, मोटर दुर्घटना दावा के प्रकरणों का निराकरण कर पीड़ितों को राहत प्रदान की गई। प्री-लिटिगेशन स्तर पर बैंक, बिजली और दूरसंचार से संबंधित मामलों को न्यायालय पहुँचने से पूर्व ही सुलझा लिया गया।

मुख्य न्यायाधीश के मार्गदर्शन में तकनीकी और नवाचारों का भी प्रभावी उपयोग किया गया। लोक अदालत की कार्यवाही भौतिक और वर्चुअल दोनों माध्यमों से संचालित की गई, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों के पक्षकारों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हिस्सा लिया। इसके अतिरिक्त, मोबाइल अवेयरनेस वैन के माध्यम से ऐसे वृद्ध और बीमार पक्षकारों को उनके घर पर ही लोक अदालत की प्रक्रिया से जोड़ा गया, जो न्यायालय आने में असमर्थ थे।

न्यायिक प्रक्रिया के शैक्षणिक पहलू को सुदृढ़ करते हुए, जिले के विभिन्न विधि महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भी इस लोक अदालत की कार्यवाही में भाग लिया। विद्यार्थियों ने विभिन्न पीठों में बैठकर समझौतों की प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन किया, जिससे उन्हें वैकल्पिक विवाद समाधान (ADR) और विधिक प्रणालियों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ।

समारोह के दौरान जन-सेवा और मानवीय संवेदनाओं का अनूठा उदाहरण देखने को मिला। न्यायालय परिसर में आए पक्षकारों, अधिवक्ताओं एवं आमजन के लिए "एक समाजसेवी संस्था" की ओर से निःशुल्क लंगर (भोजन) की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही केन्द्रीय जेल दुर्ग के बंदियों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी लगायी गयी तथा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में लोगों ने स्वास्थ्य लाभ उठाया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग ने इस आयोजन की सफलता के लिए न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, बैंक अधिकारियों, पुलिस प्रशासन और सामाजिक संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। इस आयोजन ने न केवल लंबित प्रकरणों को कम किया, बल्कि आपसी भाईचारे और सेवा भाव के माध्यम से न्याय व्यवस्था के प्रति जन-सामान्य का विश्वास और अधिक सुदृढ़ किया है।

राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस पर जिले में एचपीवी टीकाकरण का हुआ शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के अवसर पर 16 मार्च 2026 से जिले में एचपीवी टीकाकरण का शुभारंभ जिला चिकित्सालय राजनांदगांव से किया गया। जिले में एचपीवी वैक्सीनेशन के लिए कुल 32 स्वास्थ्य केन्द्रों को चिन्हांकित किया गया है, जहां लगभग 10 हजार 500 लाभार्थियों को टीकाकरण किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि भारत में महिलाओं में होने वाले कैंसरों में सर्वाइकल कैंसर दूसरा सबसे अधिक पाया जाने वाला कैंसर है।

राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम (एनसीआरपी) 2022 के अनुसार प्रतिवर्ष लगभग 11.6 लाख महिलाओं में कैंसर के नए मामले पाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि सर्वाइकल कैंसर से बचाव के उद्देश्य से एचपीवी टीकाकरण किया जा रहा है। इसके अंतर्गत ऐसी सभी किशोरियां पात्र होंगी, जिन्होंने अपना 14वां जन्मदिन मना लिया है, किंतु अभी 15वां जन्मदिन नहीं मनाया है। शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों में एचपीवी टीकाकरण निःशुल्क उपलब्ध रहेगा। अभिभावक अपनी पात्र किशोरियों का पंजीकरण युवीन पोर्टल के माध्यम से करा सकते हैं।

सीएमएचओ डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि एचपीवी टीकाकरण के बाद सामान्यतः हल्का दर्द, सूजन, ललिमा या बुखार जैसे हल्के प्रतिकूल प्रभाव हो सकते हैं, जो सामान्य रूप से 2 से 3 दिनों में पैरासिटामोल की दवा से ठीक हो जाते हैं। टीकाकरण के बाद लाभार्थियों को 30 मिनट तक ऑब्जर्वेशन रूम में रखा जाएगा, ताकि किसी भी प्रतिकूल प्रभाव का उचित प्रबंधन किया जा सके। उन्होंने बताया कि यह टीका पूरी तरह सुरक्षित है और विश्व भर में करोड़ों लोगों को लगाया जा चुका है। टीकाकरण सत्र चिकित्सा अधिकारी की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा। आयु के प्रमाण के लिए आधार कार्ड या अन्य फोटो पहचान पत्र मान्य होंगे। पहचान पत्र उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में माता-पिता द्वारा हस्ताक्षरित शपथ पत्र भी मान्य किया जाएगा।

'धुरंधर 2' की दहाड़ से हिली 'डकैत' की जमीन; बदली अदिवि शेष-मृणाल की फिल्म की रिलीज डेट

फिल्म 'धुरंधर 2' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह इंतजार आगामी 19 मार्च को पूरा हो रहा है। इसी दिन पहले अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की 'डकैत' भी रिलीज होने वाली थी। मगर, अब ऐसा नहीं होगा। सिनेमाघरों में 'धुरंधर 2' और 'डकैत' की भिड़ंत नहीं होगी। 'डकैत' के मेकर्स ने रिलीज से हफ्तेभर पहले तारीख बदल दी है। जानिए अब 'डकैत' कब दस्तक देगी?

दर्शकों को 'डकैत' के लिए करना होगा इंतजार

अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की फिल्म 'डकैत' के लिए दर्शकों को अभी और इंतजार करना होगा। इसकी रिलीज डेट अगले महीने यानी अप्रैल में खिसका दी गई है। यह फिल्म अब 10 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

अनुराग कश्यप भी होंगे फिल्म का हिस्सा

मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव का आधिकारिक एलान किया। यह फिल्म अब 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। एक्टर अदिवी सेश ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से यह जानकारी साझा की है। नई तारीख अनाउंस करते हुए अदिवि ने लिखा, 'गोल्डफिश 10 अप्रैल को। दुनिया भर के थिएटर्स में'। फिल्म में अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर लीड रोल में हैं। साथ ही उन्होंने फिल्म की राइटिंग पर भी काम किया है। इस फिल्म में फिल्ममेकर अनुराग कश्यप भी अहम रोल में होंगे।

अब बॉक्स ऑफिस पर नहीं होगा महाक्लैश

फिल्म 'डकैत' से पहले यश अभिनीत 'टॉक्सिक' की रिलीज डेट में भी बदलाव किया गया है। पहले 'टॉक्सिक' भी 'धुरंधर 2' के साथ ही 19 मार्च को सिनेमाघरों में सजने वाली थी। मगर, 'टॉक्सिक' अब जून 2026 तक आगे बढ़ गई है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी रणवीर सिंह अभिनीत 'धुरंधर 2' से 'टॉक्सिक' और 'डकैत' के बॉक्स ऑफिस क्लैश पर दर्शकों की निगाह टिकी थी। मगर, अब यह टकराव नहीं होगा।

प्रियंका चोपड़ा ने बताई बॉलीवुड छोड़ने की वजह, ऐश्वर्या राय बच्चन और मिंडी कलिंग से मिली प्रेरणा

खराब माहौल में रहना पसंद नहीं करती। यह कहना है एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा का, जिन्होंने हाल ही में बताया कि आखिर उन्होंने बॉलीवुड छोड़कर हॉलीवुड का रुख क्यों किया। प्रियंका ने कहा कि वह भी ऐश्वर्या राय बच्चन और अमेरिकी अभिनेत्री मिंडी कलिंग की तरह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना चाहती थीं और इसी वजह से उन्होंने नए मौके तलाशने का फैसला लिया। प्रियंका ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने महज 18 साल की उम्र में फिल्मों में कदम रखा था। उनकी पहली फिल्म तमिल भाषा की थी, जिसमें उनके साथ साउथ सुपरस्टार विजय नजर आए थे। प्रियंका ने बताया कि उस समय उन्हें पहली बार स्टारडम की असली ताकत देखने को मिली थी, जब विजय को देखने के लिए सेट पर भारी भीड़ जुट जाती थी।

प्रियंका के मुताबिक, करियर की शुरुआत में उन्हें लगता था कि फिल्म इंडस्ट्री का मतलब सिर्फ फेम और लोकप्रियता हासिल करना है। लेकिन समय के साथ उनका नजरिया बदला और उन्होंने समझा कि एक्टिंग सिर्फ शोहरत नहीं, बल्कि एक गंभीर कला भी है। उन्होंने कहा कि अब तक वह करीब 70 फिल्मों में काम कर चुकी हैं और हर प्रोजेक्ट से उन्हें नया अनुभव मिला है। एक्ट्रेस ने यह भी स्वीकार किया कि एक समय ऐसा आया जब उन्हें बॉलीवुड में खुद को सीमित महसूस होने लगा था। उन्हें लगा कि अगर वह एक ही जगह पर रुक गईं तो नए अवसर नहीं मिल पाएंगे। इसी सोच ने उन्हें हॉलीवुड में किस्मत आजमाने के लिए प्रेरित किया।

प्रियंका ने कहा कि उस दौर में अंतरराष्ट्रीय फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में भारतीय कलाकारों की मौजूदगी बहुत कम थी। हालांकि ऐश्वर्या राय बच्चन और मिंडी कलिंग जैसी हस्तियां ऐसी थीं जिन्होंने ग्लोबल लेवल पर अपनी पहचान बनाई। प्रियंका के लिए यह उदाहरण प्रेरणा की तरह था कि भारतीय कलाकार भी दुनिया के मंच पर अपनी जगह बना सकते हैं। प्रियंका का मानना है कि जीवन में कई बार कठिन हालात आते हैं, लेकिन उन परिस्थितियों में फंसे रहना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर इंसान लंबे समय तक खराब माहौल में रहता है तो वह उसे सामान्य मानने लगता है, इसलिए समय रहते बदलाव करना जरूरी होता है। आज प्रियंका हॉलीवुड और बॉलीवुड दोनों में सक्रिय हैं और एक ग्लोबल स्टार के तौर पर अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं।

एक्टिंग से ब्रेक ले सकते हैं वरुण धवन!

फिल्म 'बॉर्डर 2' में वरुण धवन की एक्टिंग को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। अब एक्टर की अगली फिल्म भी जल्द रिलीज होने वाली है। मगर इससे पहले ही वरुण एक लंबे ब्रेक पर जा सकते हैं। साथ ही उन्होंने यह तैयारी भी कर ली है कि वो इन फुरसत के पलों को कैसे बिताएंगे? 'बॉर्डर 2' की रिलीज के बाद लिया फैसला इस साल वरुण धवन की कई फिल्में रिलीज हुई हैं। साल के शुरुआत में रिलीज हुई 'बॉर्डर 2' में एक्टर को काफी पसंद किया गया था। इसके बाद से ही उन्हें फैंस का खूब प्यार मिल रहा है। इसी बीच फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वरुण जल्द ही एक्टिंग से लंबा ब्रेक लेने वाले हैं। इसके लिए उन्होंने काफी कुछ सोच रखा है।

परिवार और बेटी को समय देगें वरुण

रिपोर्ट के मुताबिक वरुण पहले 'बॉर्डर 2' की शूटिंग और फिर प्रमोशन में काफी व्यस्त थे। अब वो अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं। एक्टर अपनी बेटी लारा के साथ रहना चाहते हैं। इसके चलते ही वो कुछ वक्त के लिए काम से दूरी बना सकते हैं। इस दौरान वह पूरी तरह से अपनी बेटी और परिवार को समय देंगे।

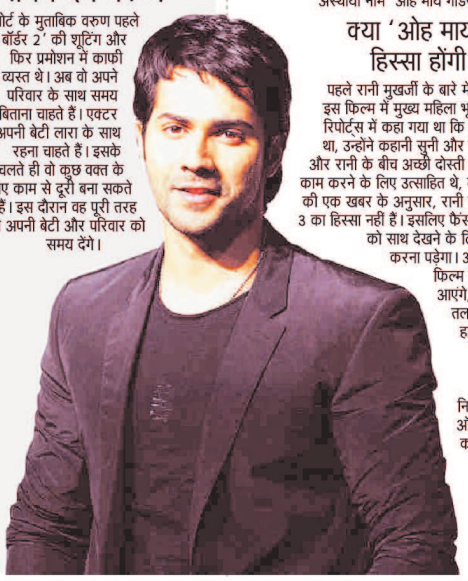

क्या 'ओह माय गॉड 3' में नजर आएंगी रानी मुखर्जी?

फिल्म 'ओह माय गॉड 3' में अक्षय कुमार एक नए किरदार में वापसी कर रहे हैं। वहीं फिल्म निर्माता कथित तौर पर मुख्य अभिनेत्री की तलाश में हैं। तो क्या इस फिल्म में रानी मुखर्जी को फाइनल नहीं किया गया है?

'ओह माय गॉड 3'

अक्षय कुमार 'ओह माय गॉड' की फ्रैंचाइजी में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। 'ओह माय गॉड 2 के बाद अब तीसरी फिल्म की नई कहानी तैयार हो रही है। यह फिल्म हिंदू पौराणिक कथाओं पर आधारित होगी। अक्षय कुमार फिर से डायरेक्टर अमित राय के साथ काम करेंगे। फिल्म की शूटिंग 2026 के बीच में शुरू होने की उम्मीद है। इसका अस्थायी नाम 'ओह माय गॉडेस' बताया जा रहा है।

क्या 'ओह माय गॉड 3' का हिस्सा होंगी रानी मुखर्जी

पहले रानी मुखर्जी के बारे में खबरें आई थीं कि वे इस फिल्म में मुख्य महिला भूमिका निभाएंगी। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया था कि रानी को ऑफर मिला था, उन्होंने कहानी सुनी और इच्छुक भी थीं। अक्षय और रानी के बीच अच्छी दोस्ती है, इसलिए दोनों साथ काम करने के लिए उत्साहित थे, लेकिन वैरायटी इंडिया की एक खबर के अनुसार, रानी मुखर्जी ओह माय गॉड 3 का हिस्सा नहीं हैं। इसलिए फैंस को अक्षय और रानी को साथ देखने के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा। ओह माय गॉड 3– इस फिल्म में अक्षय कुमार नजर आएंगे, लेकिन अभिनेत्री की तलाश अभी भी जारी है। हाल ही में रानी मुखर्जी 'मर्दानी 3' में नजर आईं। इसमें उन्होंने पुलिस वाली भूमिका निभाई। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 51 करोड़ रुपये की कमाई की। जानकारी के अनुसार, अब रानी अभिनेता शाहरुख खान के साथ फिल्म 'किंग' में नजर आ सकती हैं।

अभिनेत्री हंसिका मोटवानी का हुआ तलाक, चार साल में टूटी शादी

सेलेब्रिटीज के तलाक की लिस्ट में अब एक नाम अभिनेत्री हंसिका मोटवानी का भी जुड़ गया है। हंसिका का पति सोहेल कथूरिया से तलाक हो गया है। काफी वक्त से उनकी शादी में दरार की खबरें आ रही थीं। अब इस पर मुहर लग गई है। मुंबई की बांद्रा कोर्ट ने हंसिका और सोहेल का तलाक फाइनल कर दिया है। दोनों की शादी सिर्फ चार साल तक ही चल सकी। 2022 में हुई थी शादी, आपसी सहमति से हुआ तलाक हंसिका ने बिजनेसमैन सोहेल कथूरिया से 4 दिसंबर 2022 को धूमधाम से शादी की थी। मगर उनकी शादी ज्यादा दिनों तक नहीं चल सकी। शादी के 3 साल बाद से ही उनकी मैरिड लाइफ में उथल-पुथल होने की खबरें आने लगी थीं। सोहेल की हंसिका के साथ ये दूसरी शादी थी। हंसिका की बेस्ट फ्रेंड रिंकी बजाज संग उन्होंने पहली शादी की थी। हालांकि, सोहेल और हंसिका के तलाक की मुख्य वजह अब तक सामने नहीं आई है। लेकिन उनकी शादी में दिक्कतें पिछले लगभग दो साल से बनी हुई हैं। जानकारी के मुताबिक दोनों जुलाई 2024 से ही अलग रह रहे हैं। इस दरमियान घरवालों ने दोनों की शादी को बचाने का काफी प्रयास भी किया, लेकिन वो सफल नहीं हो सके। अंततः दोनों का तलाक हो गया। ये तलाक आपसी सहमति से हुआ है। बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की करियर की शुरुआत हंसिका मोटवानी ने अपने करियर की शुरुआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की थी। वो बच्चों के लोकप्रिय टीवी सीरियल 'शा का ला का बूम बूम' में भी नजर आई थीं। इसीसे उन्हें पहचान मिली। इसके बाद वो ऋतिक रोशन की 'कोई मिल गया' में भी बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट ही नजर आईं। बाद में उन्होंने 2007 में साउथ की फिल्म 'देसमुदुरु' से अपने फिल्मी करियर की

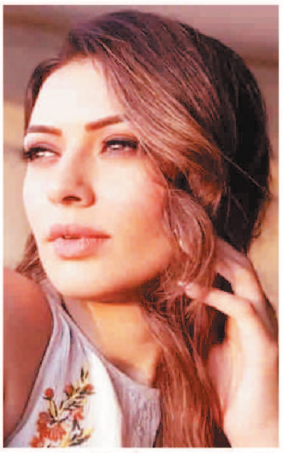

शुरुआत की। इस फिल्म में वो अल्लू अर्जुन के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आई थीं। इस फिल्म के लिए हंसिका को साउथ का बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस का अवॉर्ड भी मिला था। इसके बाद वो कई अन्य साउथ की फिल्मों में भी नजर आईं। हंसिका को बॉलीवुड में पहचान हिमेश रेशमिया के साथ फिल्म 'आपका सुरूर' से मिली।

सोशल मीडिया मुझे कंट्रोल नहीं करता, मैं उसे कंट्रोल करता हूं

साल 2003 में 'फंटूश' फिल्म से अपने करियर की शुरूआत करने वाले इकबाल खान टीवी शो 'कैसा ये प्यार है' से हर घर में पहचाने जाने लगे। इन दिनों वह अपने नए शो 'हुई गुम...यादें- एक डॉक्टर दो जिंदगियां' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने अपने इस नए सीरियल के अलावा अपने किरदार, करियर और बाकी चीजों के बारे में बात की। इकबाल खान ने यह भी बताया कि उन्होंने अपने अब तक के करियर में क्या कुछ बदलाव देखे। साथ ही किरदारों के सिलेक्शन पर सोशल मीडिया के प्रभाव के बारे में भी बात की।

छोटे पर्दे पर आपका एक लंबा सफर रहा है, क्या आज करियर में कुछ बदलाव देखते हैं?

मेरी पहली फिल्म आई थी 2003 में 'फंटूश', वहां से मेरा करियर शुरू हुआ था। उसके बाद 'कैसा ये प्यार है' शो ने मुझे अंगद के रूप में हर घर में पहचान दी थी। बदलाव तो जीवन का नियम है। मुझे लगता है कि मैं पहले से बेहतर ही हुआ हूं। जिंदगी में इंसान सीखने के लिए ही आता है। मैंने भी बहुत सीखा है।

आपको क्या लगता है, सोशल मीडिया ने किरदारों और कंटेंट चुनने पर भी असर डाला है?

मेरी जिंदगी में सोशल मीडिया मुझे कंट्रोल नहीं करता, मैं उसे कंट्रोल करता हूं। दूसरा, बीच में एक ऐसा वक्त आया था, जब सोशल मीडिया को लेकर बहुत सारी चीजें हो रही थीं, कास्टिंग वगैरह भी उसको देखकर होने लगी थी, लेकिन वो बड़े लेवल पर नहीं होता है। मुझे लगता है कि प्रमोशन के लिए सोशल मीडिया बहुत बढ़िया है। लेकिन आपका प्रोडक्ट कितना बढ़िया से चल रहा है, वो आप सोशल मीडिया से पता नहीं कर सकते। चाहे आप फिल्म ले लें या टीवी शोज ले लें, इन सबके दर्शक अलग-अलग होते हैं। सोशल मीडिया पर पूरी दुनिया है, लेकिन पता नहीं आपके फॉलोअर्स क्या देखना पसंद करते हैं। क्या पता उनमें से कितने दर्शक टिकट खरीदकर फिल्म देखने जाते हैं।

आप पिता हैं तो कंटेंट चुनने को लेकर आपकी सोच में कितना बदलाव आया है?

क्या करना चाहिए क्या नहीं करना चाहिए, इस चुनाव को करने के लिए सब उतने खुशकिस्मत नहीं होते। मैं अपनी बात नहीं कर रहा। मैं इस मामले में कोई राय नहीं देना चाहता। बहुत सारे लोग कुछ भी काम कर रहे होते हैं, क्योंकि उन्हें अपना घर चलाना होता है, तो इस चीज में कुछ कहूंगा तो वो अच्छी बात नहीं लगेगी। ऊपर वाले ने मुझ पर बहुत रहम किया है, काम को लेकर मेरी जिंदगी में कभी कोई कमी नहीं रही। उतार-चढ़ाव जिंदगी का हिस्सा है, कोई ये नहीं कह सकता कि पिछले 23 साल में उसकी जिंदगी में मजे ही रहे हैं।

आप खाली वक्त में क्या कुछ करते हैं और उनकी प्लानिंग कैसे होती है?

एक परिवार वाला व्यक्ति क्या ही करेगा। जब बच्चे होते हैं तो उसे हर चीज उसे देखकर ही करनी होती है। मुझे अपने लिए कुछ खरीदने या करने का शौक नहीं है। ट्रैवलिंग के लिए 80 प्रतिशत प्लानिंग तो बीवी ही करती है, और उन्हें करनी भी चाहिए। अगर हमसे कोई गलती हो जाए तो गड़बड़ हो जाएगी। अगर बीवी करती है, तो गड़बड़ भी उसका ही माना जाएगा।

अपने नए शो में आप डॉक्टर बने हैं। क्या है इसके पीछे की कहानी?

ये एक ऐसे डॉक्टर की कहानी है, जिसकी पिछले 8 साल की यादें खो जाती हैं। उससे पहले वो क्या था और बाद में वो क्या बन जाता है, पहले लोगों के साथ वह कैसा था, अब वो लोगों के साथ कैसा है, बहुत सारी ऐसी चीजें हैं, जो इस शो में दिखाई जाएंगी। रिलेशनशिप इंसान की जिंदगी में बहुत जरूरी चीज होती है, इस शो में भी रिलेशनशिप काफी मायने रखती है। इसकी बीवी, बच्चों, डॉक्टर्स और मरीजों के साथ कैसा रिश्ता है वो इसमें दिखाया जाएगा।

राजनांदगांव पुलिस ने त्वरित व प्रभावी कार्यवाही, ठगी गई राशि में से 85,00,031 रुपये प्रार्थी को कराए गए वापस

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राजनांदगांव जिले में ऑनलाइन निवेश प्लेटफॉर्म के माध्यम से हुई बड़ी साइबर ठगी के मामले में राजनांदगांव पुलिस द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए ठगी गई राशि में से 85,00,031 रुपये प्रार्थी को वापस कराए गए हैं। साइबर फ्रॉड के मामलों में जिले में पहली बार इतनी बड़ी राशि एक साथ वापस कराई गई है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी विपिन कुमार गोस्वामी पिता विनोद गोस्वामी उम्र 45 वर्ष, निवासी संत रविदास गोस्वामी वार्ड नं. 01 डोंगरगांव, थाना डोंगरगांव, जिला राजनांदगांव छग द्वारा थाना डोंगरगांव में लिखित आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया कि 'पॉलीस फाइनेंस लिमिटेड' नामक ऑनलाइन निवेश प्लेटफॉर्म के प्रतिनिधियों द्वारा अधिक लाभ का लालच देकर विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से धनराशि जमा कराई गई। इस प्रकार प्रार्थी से कुल 1,14,52,000 रुपये जमा कराकर धोखाधड़ी की गई। प्राप्त शिकायत के आधार पर थाना डोंगरगांव में अपराध क्रमांक 15/2026 धारा 318(3), 318(4) बीएनएस एवं 66(घ) आईटी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में तत्काल टीम गठित कर मामले में प्रभावी कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के नेतृत्व में थाना डोंगरगांव एवं साइबर सेल राजनांदगांव की संयुक्त टीम द्वारा मामले की गहन जांच की गई। टीम द्वारा सीडीआर विश्लेषण, बैंक खातों के ट्रांजेक्शन का विस्तृत परीक्षण तथा तकनीकी विश्लेषण कर लगभग 397 बैंक खातों को साइबर पोर्टल के माध्यम से होल्ड कराया गया, जिनमें ठगी की राशि ट्रांसफर की गई थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी की पतासाजी हेतु पुलिस टीम को मुंबई (महाराष्ट्र) भी रवाना किया गया तथा संबंधित कंपनी की गतिविधियों की निगरानी की गई। तकनीकी विश्लेषण एवं

सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप ठगी गई राशि 1,03,20,000 रुपये में से 85,00,031 रुपये की राशि को होल्ड/लीन कराकर न्यायालय के आदेश से प्रार्थी के खाते में वापस कराया गया।

राशि प्राप्त होने के पश्चात प्रार्थी द्वारा

पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर का आभार व्यक्त किया गया। इस कार्रवाई में DSP अलेक्जेंडर किरो, प्रशिक्षु आईपीएस आदित्य कुमार, निरीक्षक उपेन्द्र कुमार शाह, निरीक्षक विनय पम्मार, निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर, तथा साइबर सेल राजनांदगांव की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नागरिकों से अपील

राजनांदगांव पुलिस द्वारा आम नागरिकों से अपील की जाती है कि टेलीग्राम, इंस्टाग्राम या अन्य सोशल मीडिया लिंक/एप के माध्यम से प्राप्त किसी भी निवेश ऑफर पर विश्वास न करें। ऐसे अधिकांश लिंक और एप साइबर ठगी के माध्यम होते हैं। किसी भी प्रकार की संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की जानकारी तत्काल सायबर हेल्पलाइन 1930 अथवा निकटतम पुलिस थाने में दें।

खास खबर

बाबा दरबार पावन धाम धनोरा में नवरात्रि पर्व पर जलेगी आस्था की ज्योति

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

अंतरराष्ट्रीय सुफी गायक सुरेश ठाकुर के कार्यक्रम का होगा आयोजन

बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में 19 मार्च से नवरात्रि पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा। बाबा दरबार धनोरा के लक्ष्मण बाबा ने बताया कि ज्योति कलश शुल्क 751 रुपए रखा गया है जो भी श्रद्धालुगण दरबार में ज्योति प्रज्जवलित करने के इच्छुक हैं वे गुलाब किराना स्टोर्स धनोरा दुर्ग में संपर्क कर सकते हैं। 19 मार्च को दोपहर 12 बजे से दरबार के लक्ष्मण बाबा एवं पंडित विनय शर्मा द्वारा पूवे विधिविधान के साथ पूजा अर्चना करके घटस्थापना और ज्योति प्रज्वलित करेंगे।

इस बार बाबा दरबार में नवरात्रि पर्व पर अंतरराष्ट्रीय सुफी भजन गायक सुरेश ठाकुर एवं पूणिर्मा साहू के मंडली द्वारा जसगीत व भजन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। प्रतिदिन रात्रि 8 बजे से 10 बजे तक गुलाब साहू और हेमंत साहू भजन गायक द्वारा अपनी मंडली के साथ बाबा दरबार में माता सेवा का कार्यक्रम देंगे। इस बार हनुमान प्रकटोत्सव पर विशेष झांकी के साथ शाम 4 बजे से बाबा दरबार से निकल कर विभिन्न गलियों का भ्रमण कराया जाएगा और शाम 4 बजे से कुंज लाल साहू द्वारा खिचड़ी हलुआ का प्रसाद वितरण किया जाएगा। रात्रि 10 बजे से दरबार के सामने सार्वजनिक मंच पर श्रीराधा कृष्ण नाचपार्टी धुर्रे बंजारी वाले का कार्यक्रम होगा। अतः में लक्ष्मण बाबा ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस कार्यक्रम का लाभ उठाएं। यह जानकारी दरबार प्रतिनिधी चंन्द्रकांत कोसरे एवं कुंज लाल साहू ने दी।

3 पटवारियों का इंक्रीमेंट रोका गया, कार्य में लापरवाही

रायपुर। विधानसभा में मंगलवार को राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा को अवैध प्लॉटिंग और कॉलोनी के मामले में न केवल विपक्ष बल्कि सत्ता पक्ष के भी सदस्यों ने घेर लिया। बहिर्गमन से पहले विपक्ष ने राजस्व मंत्री पर अवैध कारोबार करने वालों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। धमतरी और कांकेर में अवैध प्लॉटिंग का मुद्दा उठाते हुए विधायक अंबिका मरकाम ने सदन में राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा से सवाल किया कि 2024 से लेकर 31 जनवरी 2026 तक कितनी शिकायतें मिलीं?

दुर्ग जेल तिराहा से मिनीमाता चौक तक फोरलेन सड़क निर्माण शीघ्र होगा प्रारंभ

कलेक्टर ने केनाल एरिया का पैदल भ्रमण कर किया मौका निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने रविवार 15 मार्च को लोक निर्माण विभाग सड़क/सेतु/विद्युत यांत्रिकी, नगर पालिक निगम, राजस्व और विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ दुर्ग-भिलाई नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में चौड़ीकरण हेतु स्वीकृत सड़कों के निर्माण कार्य प्रारंभ कराने हेतु मौका मुआयना किया।

उन्होंने जेल तिराहा से मिनीमाता फोरलेन सड़क अंतर्गत महाराजा चौक और पोटिया चौक का अवलोकन किया। यहां पर मार्किंग कर अतिक्रमण हटाने का कार्य और स्ट्रीट लाईट शिफ्टिंग कार्य अभी से प्रारंभ करने नगर निगम आयुक्त को निर्देशित किया। उन्होंने पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों को सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ करने के पूर्व स्ट्रीट लाइट शिफ्टिंग हेतु नगर निगम को डिमांड नोट प्रस्तुत करने कहा। इसी प्रकार महाराजा चौक से बोरसी चौक तक सड़क चौड़ीकरण हेतु भू-अर्जन की कार्यवाही करने राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया। अधिकारियों ने बताया कि इस सड़क पर महाराजा चौक और पोटिया चौक पर फ्लाई ओव्हर ब्रिज बनाए जाएंगे। उक्त निर्माण कार्य सेतु निर्माण विभाग द्वारा किया जाएगा।

पोटिया चौक से मिनीमाता चौक तक भू-अर्जन की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। कलेक्टर श्री सिंह ने महमरा से नगपुरा जालबांधा रोड का भी अवलोकन किया। उन्होंने सड़क चौड़ीकरण को ध्यान में रखते हुए उक्त सड़क के अगल-बगल

अतिक्रमण हटाने संबंधितों को नोटिस के माध्यम से सूचित करने और निर्धारित तिथि के पूर्व हटाने अधिकारियों को निर्देशत करने कहा। उन्होंने सड़क चौड़ीकरण को ध्यान में रखते हुए उक्त सड़क पर निर्मित होने वाले ब्रिज की चौड़ाई 13 के बजाय 14 मीटर कराने शासन को आवश्यक पत्राचार करने ब्रिज निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया।

कलेक्टर श्री सिंह ने भ्रमण के दौरान ग्राम नगपुरा में महाविद्यालय भवन के लिए चिन्हांकित स्थल का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम सेवती में सिंह फ्लाई एस ब्रिक्स द्वारा सड़क अतिक्रमण का भी जायजा लिया और राजस्व अधिकारियों को सड़क के मापदण्ड को ध्यान में रखते हुए मार्किंग कर अतिक्रमित जमीन से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों के साथ भिलाई नगर निगम अंतर्गत अवंती बाई चौक कोहका से खुर्सीपार तक लगभग 5 किमी केनाल सड़क का भी पैदल भ्रमण कर अतिक्रमण का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को अवगत कराया कि शासन से स्वीकृत उक्त सड़क निर्माण हेतु मार्किंग कर अतिक्रमण हटाया जाए। इससे पूर्व संबंधितों को नोटिस तामिल की जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने अहिवारा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत गिरहोला से मलपुरी खुर्द तक स्वीकृत सड़क चौड़ीकरण का भी अवलोकन किया।

उन्होंने सड़क निर्माण हेतु आवश्यक जमीन के संबंध में सड़क चौड़ाई की टेप से मौके पर माप भी कराई। राजस्व अमले को किसानों द्वारा किये गए फेसिंग एवं अतिक्रमण स्वयं से हटाने हेतु सूचित करने कहा। नहीं हटाने पर विभाग द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही कर फेसिंग तार एवं पोल आदि जब्ती की कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों के साथ बाईपास विकल्प के रूप में सिरसागेट से तर्रा-फुण्डा-सेलूद-उतई मार्ग का भी अवलोकन किया।

उन्होंने उतई में निर्माणाधीन उतई बायपास रोड़ के निर्माण कार्य का भी अवलोकन किया। साथ ही आवश्यक जमीन हेतु बीएसपी से समन्वय कर भू-अर्जन प्रक्रिया के तहत निर्माण कार्य एजेंसी विभाग को जमीन उपलब्ध कराने राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग के कायर्पालन अभियंता आशीष भट्टाचार्य, सेतु विभाग के कार्य पालन अभियंता सीके पाण्डेय, विद्युत मण्डल ग्रामीण के कार्य पालन अभियंता छगन शर्मा, नगर निगम दुर्ग के आयुक्त सुमित अग्रवाल, नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव पाण्डेय, एसडीएम भिलाई हितेश पिस्दा, एसडीएम भिलाई-3 महेश राजपूत, तहसीलदार प्रफुल्ल गुप्ता सहित अन्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

सत्तीचौरा दुर्गा मंदिर के वार्षिक महोत्सव में विवाहित जोड़े करेंगे सुंदरकांड का पाठ

माताजी की निकलेगी भव्य पालकी शोभायात्रा और महिलाएं सोलह श्रृंगार करके करेगी माता जी का मंगलपाठ

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

चैत्र नवरात्र में सत्तीचौरा दुर्गा मंदिर गंजपारा प्रतिवर्ष अपना वार्षिक महोत्सव मनाता आ रहा है। इस वर्ष यह वार्षिक महोत्सव का 16वां वर्ष है। वार्षिक महोत्सव को भव्य रुप देने मंदिर समिति द्वारा 19 मार्च से 27 मार्च अप्रेल तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए है। जिनमें विवाहित जोड़ों के लिए संगीतमय सुंदरकांड पाठ कन्या पूजन कन्या भोज भजन संध्या शोभायात्रा शामिल है। मंदिर के वार्षिक महोत्सव की शुरुवात 19 मार्च को प्रातः 5 बजे ज्योति कलश प्रज्जवलन से होगा। प्रातः 9 बजे माता जी का महाभिषेक किया जाएगा। वार्षिक महोत्सव में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में भीड़ जुटने की संभावना के मद्देनजर मंदिर समिति द्वारा सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।

श्री सत्तीचौरा दुर्गा मंदिर समिति के अशोक राठी एवं प्रवीण भूतड़ा ने बताया कि विशेष आयोजन में दिनांक 22 मार्च रविवार को शाम 4 बजे से माताजी की पालकी एवं भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। 23 मार्च को दोपहर 1 बजे से सत्ती चौरा में दादी राणी सती जी का मंगलपाठ होगा। इस आयोजन में महिलाएँ 16 श्रृंगार करके, लाल चुनरी ओढ़कर पाठ में बैठेगी।

अशोक राठी प्रवीण भूतड़ा ने बताया कि कार्यक्रम में 24 मार्च को विवाहित जोड़ो के लिए संगीतमय सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया है। जिसमें शहर एवं जिले के विवाहित जोड़े साथ में बैठकर सुंदरकाण्ड पाठ करेंगे। समिति द्वारा विगत 3 वर्षो से यह आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सैकड़ों जोड़े शामिल हुए थे। आयोजन में छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध पाठकर्ता आचार्य कान्हा महाराज भिलाई द्वारा संगीतमय सुंदरकाण्ड पाठ करवाया जाएगा। सुंदरकाण्ड का पाठ शाम 6 बजे से प्रारंभ होकर रात्रि 8.30 बजे तक चलेगा। प्रवेश पूणर्तः निःशुल्क है। आयोजन में पुरुष वर्ग सफेद एवं महिलाएँ लाल या पीली साड़ी पहनकर शामिल होंगी। सुंदरकांड पाठ में शामिल होने विवाहित जोड़ों का मंदिर परिसर में पंजीयन किया जा रहा है। इच्छुक दंपत्ति 22 मार्च तक अपना पंजीयन करवा सकते है।

26 मार्च अष्टमी को दोपहर 12 बजे माता जी को 56 भोग लगाया जाएगा। शाम 7 बजे 108 दियों की 108 पूजा थाल से माता जी की महाआरती की जाएगी। रात्रि 8 बजे से हवन, पूजन, पुर्णाहुति आरती होगी। 27 मार्च नवमी को प्रातः 7 बजे ज्योति कलश विसर्जन शोभायात्रा

ई-ऑफिस क्रियान्वयन में दुर्ग जिला प्रदेश में द्वितीय स्थान पर

कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में मिली बड़ी सफलता

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सरकारी कामकाज में पारदर्शिता, गतिशीलता और पेपरलेस गवर्नेंस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लागू की गई ई-ऑफिस प्रणाली के संचालन में दुर्ग जिले ने पूरे छत्तीसगढ़ में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

प्राप्त नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, ई-फाइल काउंट के मामले में दुर्ग जिला 9,957 फाइलों के साथ पूरे प्रदेश में द्वितीय स्थान पर काबिज हो गया है। यह उपलब्धि कलेक्टर अभिजित सिंह के कुशल मार्गदर्शन और उनके द्वारा की गई निरंतर मॉनिटरिंग का प्रतिफल है। जिले में

इस प्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को उच्च स्तरीय तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे कार्यालयीन फाइलों के निपटान में तेजी आई है जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी बनी है। कलेक्टर श्री सिंह ने स्पष्ट किया है कि ई-ऑफिस केवल एक सॉफ्टवेयर मात्र नहीं, कार्य संस्कृति में एक क्रांतिकारी बदलाव है, जिससे आम जनता के कार्यों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित हो रहा है।

प्रदेश स्तर पर ई-ऑफिस की वतर्मान स्थिति के अनुसार सक्ति जिला प्रथम स्थान पर बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि सक्ति जिले को शासन द्वारा ई-ऑफिस के सफल क्रियान्वयन के लिए एक इप्रयोग जिलेइ के रूप में विकसित किया गया था, जहाँ शुरुआती दौर में इस तकनीक का व्यापक परीक्षण किया गया।

इस मॉडल डिस्ट्रिक्ट् पहल के कारण सक्ति जिले को आंकड़ों में उल्लेखनीय बढ़त प्राप्त हुई है। हालांकि, दुर्ग जिले ने अपनी सक्रियता और बेहतर प्रशिक्षण रणनीति के माध्यम से बहुत कम समय में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। छत्तीसगढ़ शासन की मंशा के अनुरूप, जिले के सभी सरकारी विभागों में अब भौतिक फाइलों के स्थान पर डिजिटल फाइलों के चलन को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे भविष्य में जीरो पेंडेंसी के लक्ष्य को प्राप्त करने में बड़ी मदद मिलेगी।

लोक संस्कृति हमारी अमूल्य धरोहर है-विधायक चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ग्राम थनौद-भाठापारा, बीरेझर, अछोटी और चंगोरी में आयोजित भव्य फाग गायन एवं झांकी प्रतियोगिता हर्षोल्लास, भक्ति और लोक संस्कृति के रंगों के बीच संपन्न हुई। कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण के विधायक ललित चंद्राकर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

कार्यक्रम में क्षेत्र की ख्यातिप्राप्त फाग मंडलियों ने पारंपरिक वाद्य यंत्रों की थाप और मधुर फाग गीतों से समा बांध दिया। झांकियों की आकर्षक प्रस्तुतियों ने दशर्कों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बड़ी संख्या में ग्रामीण देर रात तक कार्यक्रम का

आनंद लेते रहे और कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने अपने संबोधन में कहा कि फाग केवल गीत-संगीत नहीं, बल्कि हमारी माटी की सुगंध, परंपरा और सामूहिक जीवन मूल्यों का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि फाग गीत हमारी समृद्ध लोक संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जिसे सहेज कर रखना हम सभी का दायित्व है। फाग और झांकी जैसी परंपराएं नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करती हैं, इसलिए इन्हें संरक्षण और प्रोत्साहन देना जरूरी है। विधायक चंद्राकर ने आयोजनकर्ताओं और फाग गायकों को गुलाल लगाकर उनका उत्साह बढ़ाया तथा सभी के सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों का स्नेह और विश्वास ही उन्हें निरंतर जनसेवा के लिए प्रेरित करता है।

इस अवसर पर सरपंच मेनका देशमुख, अध्यक्ष नारायण, दिनेश देशमुख, टेक सिंह साहू, सोनू देवांगन, मंटू देशमुख, लक्की साहू, केशव ठाकुर, रोहित निर्मलकर, सुकालू यादव, देवेंद्र सिन्हा, निलेश सोनी, कमलेश चक्रधारी, शैलेश सिन्हा, दिनेश सेन, रोहित दिल्लीवार, झरना दिल्लीवार, ज्ञानचंद देशमुख, संतोष देशमुख, प्रीतम पटेल, सुनील यादव, दिनेश वर्मा, छगन दिल्लीवार, सुमन दिल्लीवार, गुमान देशमुख, प्रेमनारायण कंवर, रूपेंद्र देशमुख, फागेश्वर देशमुख, झुम्मन लाल निषाद, ठाकुर राम विश्वकर्मा, हेमंत पारकर, विश्वजीत देशमुख, लोकेश देशमुख, मनोज देशमुख, जितेन्द्र देशमुख, रामस्वरूप विश्वकर्मा, मिथलेश देशमुख, पप्पू देशमुख, मुरारी देशमुख, रतनु लाल देशमुख सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

दिवंगत राजा देवव्रत सिंह के उदयपुर पैलेस में तैनात सशस्त्र बल के जवान ने शाम को अपने आप को मारी गोली, हुई मौत, कारण अज्ञात

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

उदयपुर पैलेस में तैनात उअऋके जवान ने खुद अपने आप को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। खैरागढ़ छुईखदान-गंडई जिले के ब्लाक छुईखदान क्षेत्र में स्थित उदयपुर पैलेस से सोमवार शाम एक आश्चर्यजनक घटना सामने आई। दिवंगत राजा देवव्रत सिंह के निधन के बाद संपत्ति विवाद के चलते उदयपुर पैलेस को शासन प्रशासन के व्दारा सील कर दिया गया था। पैलेस के सुरक्षा में तैनात छठवी बटालीयन के जवान ने सोमवार को अपने आपको गोली मार ली, जिसकी मौके पर ही मौत हो गई।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उक्त जवान की सोमवार को ही तैनाती हुई है और उसने अपने आप को शाम को ही गोली मारी। राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद एवं पूर्व विधायक दिवंगत राजा देवव्रत सिंह के उदयपुर स्थित पैलेस में तैनात छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (सीएएफ) के एक जवान ने अपनी ही सर्विस रायफल से खुद को गोली मारकर

आत्महत्या कर ली। घटना शाम करीब साढ़े पांच से छह बजे के बीच की बताई जा रही है। कारण अज्ञात है, पुलिस मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना में जुट गई है। मृतक जवान की पहचान कृपाचंद सोनवानी (38 वर्ष) के रूप में हुई है। वह छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल की छठवीं बटालियन में पदस्थ था और मूल रूप से भिलाई (छत्तीसगढ़) का निवासी था।

कुछ समय से तनाव में दिखाई दे रहा था जवान

जानकारी के अनुसार उदयपुर स्थित राजपरिवार के पैलेस में सुरक्षा के लिए अलग-अलग शिफ्ट में जवानों की ड्यूटी लगाई जाती है। सोमवार को भी सामान्य दिनों की तरह कृपाचंद सोनवानी की ड्यूटी लगी थी। साथियों के मुताबिक वह कुछ समय से तनाव में दिखाई दे रहा था, लेकिन इसे गंभीरता से नहीं लिया गया।

अचानक गोली चलने से परिसर में मचा हड़कंप

उदयपुर पैलेस परिसर में अचानक साथी जवान जब मौके पर पहुंचे तो कृपाचंद सोनवानी खून से लथपथ पड़ा मिला। उसने अपनी ही बंदूक से खुद पर फायर कर लिया था। तत्काल एंबुलेंस बुलाकर उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

छुट्टी से लौटने के अगले दिन उठाया कदम

पुलिस के अनुसार कृपाचंद सोनवानी एक दिन पहले ही छुट्टी से वापस ड्यूटी पर लौटा था। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि घरेलू या निजी कारणों के चलते उसने यह आत्मघाती कदम उठाया होगा। हालांकि मौके से अभी तक कोई सुसाइड नोट या अन्य ठोस जानकारी नहीं मिली है। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गई है। जवान ने खुद को क्यों मारी गोली कारण अज्ञात है।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित पंडित दीन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 जो की ब्लिस इंटरनेशनल होटल (सोमनी)में आयोजित हुआ। 12 और 13 मार्च को इस आयोजन को 7 सत्र में विभाजित किया गया जिसमे पूर्व प्रखंड के सभी कार्यकर्त्ताओं को भारतीय जनता पार्टी के विचार धारा के बारे मे में बताया गया। सरकार की उपलब्धियाँ बताइ, सोशल मीडिया ए-आई और सरल एप का इस्तमाल कैसे करना है वो बताया गया, मन की बात टिफि न बैठ और जो भी बूथ लेवल कम होता है उन्हें कैसे करना है ये सारी बातें बताए गई।

इस प्रशिक्षण में बीजेपी के प्रदेश और जिला के प्रभुनाथ मिश्रा, ब्रिजेश बिचपुरिया, डॉ . राधेश्याम वर्मा, सिरीश अग्रावाल, लल्लन मिश्रा, उपकार चंद्राकर, और प्रेमलाल साहू ने सभी कार्यकर्त्ताओं को मार्गदर्शन दिया। इन सभी बातों को ध्यान में रख के ही बीजेपी के कार्यकर्ता अपने बुथ में मजबूती से कार्य करेंगे जिससे की सरकार कि सारी योजनाए जानता तक पहुँच सके। पूर्व प्रखण से इस प्रशिक्षण में मंडल अध्यक्ष रोहित साहू जी, मनोज साओ, प्रहलाद सिंह, आकाश काम्बले , निमर्ला नायडू, कुलेश्वर प्रसाद (रिंकू साहू), पार्षद ईश्वरी नेताम, श्रीनिवास राव, जे ललिता, जे श्रीनुवास नायडू, रघुवेंद्र पाठक, योगेंद्र सिंह, दिनेश सिंह, डिंपी सिंह, बाला राजू, सूयर्कांत पांडे, रश्मि सिंह, अहसास रामटेके, मंजूषा साहू, एवं तुलसी साहू उपस्थित थी।

विभिन्न स्पार्धाओं से समरसता का संदेश, स्वदेशी सामानों के प्रति जनता का प्रेम-उमड़ी भीड़

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित स्वदेशी मेले के चौथे दिन मेले में उत्साह और उमंग का वातावरण देखने को मिला। विभिन्न प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से समाज में समरसता, सहयोग और स्वदेशी के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। मेले में प्रतियोगिता मिलेट्स व्यंजन प्रतियोगिता में आज 40 प्रतिभागियो ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अरुणा जैन ने व अनिता सिंह, सुषमा सिंह, मधुस्मिता दीक्षित, संगीता चौधरी, वंशिका भी विजेता घोषित किये गए।

इस कार्यक्रम में श्रीमती दीपशिखा भटनागर एवं अनिता अग्रवाल निर्णायक भूमिका में रहे। सम्पूर्ण प्रतियोगिताये सहसंयोजक सरोजनी पाणिग्रही जी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हो रहा है। बड़ी संख्या में बच्चों, युवाओं और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं ने न केवल प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया बल्कि समाज में आपसी सद्भाव और एकता का सुंदर उदाहरण भी प्रस्तुत किया। स्वदेशी उत्पादों के प्रति लोगों का बढ़ता आकर्षण मेले में स्पष्ट रूप से देखने को मिला। विभिन्न स्टॉलों पर देशभर से आए स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती रही। परिवारों के साथ आए नागरिकों ने स्वदेशी वस्तुओं की खरीदारी के साथ मेले के मनोरंजन, फूड जोन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आनंद लिया।

आयोजकों ने बताया कि स्वदेशी मेला का उद्देश्य केवल व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देना ही नहीं, बल्कि समाज में स्वदेशी के प्रति गर्व और आत्मनिर्भर भारत की भावना को मजबूत करना भी है। मेले में लगे 300 से अधिक स्टॉलों के माध्यम से देशी उद्योगों और उद्यमियों को प्रोत्साहन मिल रहा है। स्वदेशी मेला प्रतिदिन नई गतिविधियों और कार्यक्रमों के साथ शहरवासियों को आकर्षित कर रहा है तथा भिलाईवासियों का उत्साह और सहभागिता इस आयोजन को और अधिक सफल बना रही है। इस आयोजन में वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने अपने उदबोधन में कहा कि स्वदेशी मेला एक बाजार नही एक जागरण अभियान है लोगो मे स्वादेशी के प्रति लगाव बढ़ रहा है। प्रेम प्रकाश पांडेय जी ने कहा कि यह मेला स्वादेशी उत्पादों को बढ़ावा दे रहा है इससे आत्मनिर्भर भारत की भावना मजबूत हो रही है। यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से शंकर सचदेव ने दी।

खास खबर

नई दृष्टिबिंदु में समाचार प्रकाशित होने के बाद हरकत में आई पुलिस, नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले के चिखली चौकी क्षेत्र में नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। उल्लेखनीय है कि घटना को लेकर नव दृष्टिबिंदु में कल समाचार प्रकाशित होने के बाद पुलिस हरकत में आयी और मामले में तेजी से कार्रवाई की गई।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 15 मार्च 2026 को प्राथियों ने चौकी चिखली में लिखित आवेदन देकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी नाबालिग बेटी के साथ भावेश समरित द्वारा जबरदस्ती दुष्कर्म किया गया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 65(2) बीएनएस तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 4, 5(एम), 6 के तहत अपराध दर्ज किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जानकारी तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई।

पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर तथा नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के निर्देशन में चौकी चिखली पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भावेश कुमार समरित उर्फ कुकू (19 वर्ष) निवासी बजरंगपुर नवागांव वार्ड नंबर 02, चौकी चिखली को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपराध करना स्वीकार किया, जिसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।

इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक कैलाश चंद्र मरई, म.प्र.आर. वंदना पटले, प्र.आर. अरुण कुमार नेताम, आर. आदित्य सोलंकी, सुनील बैरागी, चन्द्रकपूर आयाम, गोपाल पैकरा, नागेश्वर साहू तथा म.आर. रेणुका राजपूत सहित चौकी चिखली स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। घटना के बाद क्षेत्र में लोगों ने आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है।

जुआ फड़ पर पुलिस की रेड, 13 आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। सिटी कोतवाली दुर्ग पुलिस और एसीसीयू टीम ने संयुक्त कारवाई करते हुए पंचशील नगर मोहलाई क्षेत्र में संचालित जुआ फड़ पर छापा मारकर 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से नगदी, मोबाइल फोन और अन्य सामग्री सहित करीब 2 लाख 97 हजार रुपये की जप्ती की गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 16 मार्च 2026 को सिटी कोतवाली थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि पंचशील नगर मोहलाई के बीच स्थित खेत में कुछ लोग 52 पत्ती ताश के पत्तों पर रुपये-पैसे का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस और एसीसीयू टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर छापा मारा, जहां 13 लोगों को जुआ खेलते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया गया। पुलिस ने मौके से 3 गड्डी 52 पत्ती ताश, प्लास्टिक की ताल पतरी, एक कंबल, दो चादर, 18 मोबाइल फोन (लगभग 1.44 लाख रुपये कीमत) तथा 1.53 लाख रुपये नगद जब्त किए हैं। इस तरह कुल 2,97,000 रुपये की जप्ती की गई। मामले में आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 132/2026 के तहत छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) और बीएनएस की धारा 112(2) के अंतर्गत थाना सिटी कोतवाली दुर्ग में प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

रायगढ़ में साइबर फ्रॉड गैंग से जुड़े 5 सदस्य हुए गिरफ्तार, 2 करोड़ की ठगी का खुलासा

साइबर थाना खुलने से जांच में आई तेजी, साइबर ठगों के नेटवर्क का लगातार होगा पर्दाफाश : एसएसपी

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन में साइबर पुलिस को एक बड़े ऑनलाइन फ्रॉड मामले में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। साइबर पुलिस थाना टीम ने अंतरराज्यीय साइबर ठगी से जुड़े गिरोह के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके तार कई राज्यों में फैले हुए हैं। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर पूरे गैंग का पर्दाफाश करने में जुटी हुई है।

इंदिरानगर रायगढ़ की रहने वाली महिला आयशा परवीन, जो एनजीओ से जुड़ी सामाजिक कार्यकर्ता है, ने 12 मार्च को साइबर थाना रायगढ़ में रिपोर्ट दर्ज कराई। महिला ने बताया कि दिसंबर 2025 में उसके भांजे ने उसकी पहचान अभय यादव और विजय चंद्रा से कराई थी। विजय चंद्रा ने बताया कि एक कंपनी CSR मद से सामाजिक कार्यों के लिए अनुदान देना चाहती है, जिसके लिए उसके संस्थान के पंजीयन से संबंधित दस्तावेज लिए गए। कुछ दिनों बाद विजय चंद्रा ने अपने साथी अजय साहू और सचिन चौहान से महिला का संपर्क कराया।

आरोपियों ने महिला को भरोसे में लिये, महिला अपने संस्थान के नाम से एक्सिस बैंक में खाता खुलवाया। खाता खुलवाने के बाद अजय यादव जो पहले बैंक में काम कर चुका है उसने ऑनलाईन ट्रांजक्शन के लिए MPIN तथा अन्य लगिन संबंधी प्राक्रिया पूर्ण कर स्वयं ही 10 रूपये मेरे खाते में भेजकर चेक किया। कुछ दिन बाद महिला को कंपनी से नौकरी दिये जाने और अनुदान राशि लेने के लिये गुवाहटी जाना पड़ेगा बोले और महिला और उसके पति की फ्लाइट टिकट और होटल में रूकने की व्यवस्था किये । हॉटल में शाम में दो अज्ञात व्यक्ति ने स्वयं को कंपनी की ओर से होना बताकर इसके NGO का बैंक खाता रजिस्टर्ड लेकर मोबाइल पर APK फाईल डाउनलोड किये तथा बताये कि अब कंपनी के अधिकारियों के द्वारा खाते को चेक किया जायेगा। उसके बाद कई बार आकर मोबाईल लेकर चेक करते थे तथा उनके द्वारा बताया गया कि मेरा खाता में कोई समस्या आ गई है जिस कारण पैसे का ट्रांजक्शन नहीं हो पा रहा है । लगभग एक सप्ताह तक उन्हें वहीं रखकर विभिन्न ट्रांजेक्शन कराए गए और 12 जनवरी 2026 को उन्हें वापस जाने दिया गया।

जांच में सामने आया कि आरोपी टेलीग्राम के माध्यम से अपने ऊपर संचालित साइबर फ्रॉड गैंग से जुड़े हुए थे। विजय चंद्रा ने गुवाहाटी स्थित गैंग से संपर्क कर महिला के कॉरपोरेट अकाउंट की जानकारी साझा की। इसके बाद आरोपियों ने महिला और उसके पति को गुवाहाटी बुलवाया, जहां होटल में उनके ठहरने की व्यवस्था की गई। वहां गैंग के सदस्यों ने महिला का मोबाइल, चेकबुक आदि अपने पास रखकर उसके मोबाइल में APK फाइल इंस्टॉल कराई और उसके बैंक खाते के माध्यम से ट्रांजेक्शन कराए।

रायगढ़ लौटने के बाद महिला को बैंक से कॉल आया कि उसके खाते में संदिग्ध लेनदेन हो रहे हैं। 14 जनवरी को बैंक द्वारा बताया गया कि उसके खाते से साइबर फ्रॉड की गतिविधियां हो रही हैं। बाद में महिला को देश के विभिन्न राज्यों से मेल प्राप्त हुए, जिनमें उसके खाते में साइबर फ्रॉड से संबंधित विवादित रकम जमा होने की जानकारी दी गई। जांच में पता चला कि 29 दिसंबर 2025 से ही उसके खाते में संदिग्ध ट्रांजेक्शन शुरू हो गए थे। जब महिला ने इस बारे में विजय चंद्रा से संपर्क किया तो उसने बैंक की गलती बताकर समय मांगा, लेकिन बाद में संपर्क से गायब हो गया।

महिला की शिकायत पर साइबर पुलिस थाना रायगढ़ में अपराध क्रमांक 03/2026 धारा 318(4), 3(5) BNS के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू की गई। महिला से पूछताछ कर अंतरराज्यीय साइबर ठगी से जुड़े पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में मितेश सोनी (31 वर्ष) निवासी वसुंधरा नगर भिलाई-3 जिला दुर्ग, विजय चंद्रा (35 वर्ष) निवासी ग्राम कटौत थाना डभरा जिला सक्ती, अजय साहू (35 वर्ष) निवासी डिमरापुर चौक थाना सिटी कोतवाली रायगढ़, अभय यादव (23 वर्ष) निवासी कौवाकुंडा पहाड़ मंदिर थाना चक्रधरनगर रायगढ़ तथा सचिन चौहान (24 वर्ष) निवासी कलमीडिपा थाना चक्रधरनगर रायगढ़ शामिल हैं।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी अभय यादव पहले एक स्थानीय बैंक में कार्य कर चुका है। उसकी पहचान विजय चंद्रा से थी और विजय चंद्रा की पहचान अजय साहू और मितेश सोनी से हुई, जो पहले से साइबर फ्रॉड गैंग से जुड़ा था। इसी के माध्यम से अभय यादव, विजय चंद्रा, अजय और सचिन चौहान को टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ा गया, जहां से उन्हें कॉरपोरेट बैंक अकाउंट उपलब्ध कराने का काम सौंपा गया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने 25 से 30 बैंक खाते अलग-अलग राज्यों में उपलब्ध कराने की जानकारी दी है। आरोपियों के कब्जे से छह मोबाइल फोन और एक लैपटॉप जब्त किए गए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस व कौशल उन्नयन प्रशिक्षण का हुआ रंगारंग समापन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

अखिल भारतीय उत्कृष्ट बहुउद्देशीय संस्था द्वारा रविवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस व सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण सम्मान समारोह का आयोजन संपन्न हुआ। आयोजन की मुख्य अतिथि श्रीमती विनीता पांडेजी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से बहनें अपना आर्थिक विकास के साथ अपनी बेटियों को शिक्षा, संस्कार और अच्छी जीवन शैली का पाठ अवश्य पढ़ाएं। मुख्य वक्ता डॉ. हंसा शुक्ला ने कहा कि प्रशिक्षण के पश्चात बहनें अपना स्वयं का घर बैठे आर्थिक विकास कर सकती है।

सिलाई कढ़ाई करके बहनें अपनी जीविका चलाने में सक्षम होगी तो उनका परिवार भी आर्थिक दृष्टिसे सबल होगा। अध्यक्षता कर रहे प्रोफेसर डी. एन. शर्मा ने कहा कि समाज में नारी सबल होगी तो उनकी आर्थिक उन्नति होगी। तभी एक पराक्रम महिला समाज का निर्माण होगा। अध्यक्ष महोदया शानू मोहनन ने कहा कि महिला दिवस उनके मौलिक अधिकारों की मांग से यूरोपिय देशों में शुरू हुआ। न्यूयार्क की महिला श्रमिकों द्वारा 15000 बहनों ने अपने अधिकारों के लिए एक विशाल रैली निकाली परिणाम स्वरुप उनकी मांग पूरी हुई। सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण में ट्रेनर के रूप में पुष्पा चौहान, संगीता, पूजा गुप्ता, खुशबू सिंह, मैमून निशा का सम्मान किया गया। भारतीय परिधान प्रतियोगिता में प्रतिभा सिंह, सृष्टि गुप्ता, सिम्पी देवी को पुरस्कृत किया गया।

सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण में ट्रेनर के रूप में पुष्पा चौहान, संगीता, पूजा गुप्ता, खुशबू सिंह, मैमून निशा का सम्मान किया गया। भारतीय परिधान प्रतियोगिता में प्रतिभा सिंह, सृष्टि गुप्ता, सिम्पी देवी को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की संजोयिका सोनम गुप्ता व उद्घोषक गायत्री सिंह का सम्मान किया गया। संगीत टीचर नीलांजना और ड्राइंग सर राजेश द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस भव्य समारोह में अभिलाषा मिश्रा, राधा, अल्पना, विजया, संजू साहू किरण, गायत्री वर्मा, प्रेमा दुबे, रीता, सुनीता साहू, विद्या दुबे, अचर्ना दुबे और अभिषेक गुप्ता आदि उपस्थित थे।

गंभीर मरीज के उपचार के लिए दुर्ग यातायात पुलिस ने बनाया ग्रीन कॉरिडोर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

गंभीर रूप से बीमार मरीज को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए यातायात पुलिस दुर्ग ने मानवीय पहल करते हुए ग्रीन कॉरिडोर बनाकर एंबुलेंस को सुरक्षित और तेज मार्ग उपलब्ध कराया। इस व्यवस्था के कारण एंबुलेंस को भिलाई से रायपुर तक लगभग 42 मिनट में सुरक्षित पहुंचाया गया।

जानकारी के अनुसार 16 मार्च 2026 को यातायात पुलिस दुर्ग को सूचना मिली कि दीपिका भोसले, निवासी भिलाई, को उपचार के लिए मित्तल हॉस्पिटल, नेहरू नगर भिलाई में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकीय परीक्षण के दौरान उनकी स्थिति गंभीर पाई गई, जिसके बाद उन्हें उन्नत उपचार के लिए रामकृष्ण हॉस्पिटल, रायपुर रेफर किया गया।

सूचना मिलते ही यातायात पुलिस दुर्ग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मित्तल हॉस्पिटल नेहरू नगर भिलाई से रामकृष्ण हॉस्पिटल रायपुर तक ग्रीन कॉरिडोर तैयार किया। मार्ग में पड़ने वाले प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस बल की अग्रिम तैनाती की गई तथा यातायात को नियंत्रित करते हुए आवश्यकतानुसार डायवर्ट किया गया, ताकि एंबुलेंस को बिना किसी बाधा के रास्ता मिल सके।

पूरे मार्ग में वायरलेस समन्वय के माध्यम से एंबुलेंस की लगातार मॉनिटरिंग की गई। पुलिस के समन्वित प्रयासों से एंबुलेंस को लगभग 42 मिनट में सुरक्षित रूप से रायपुर स्थित अस्पताल पहुंचाया गया, जहां मरीज का उपचार जारी है। इस पूरी कार्रवाई में यातायात पुलिस दुर्ग के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने त्वरित और समन्वित कार्रवाई करते हुए यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दुर्ग पुलिस की अपील

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि आपातकालीन स्थिति में एंबुलेंस एवं अन्य आपातकालीन वाहनों को प्राथमिकता देते हुए तुरंत रास्ता दें, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर उपचार मिल सके।

स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश : मुख्यमंत्री साय ने विस परिसर में किया स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर में आयोजित तीन दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल सहित स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने से व्यक्ति समय रहते जागरूक रहकर आवश्यक सावधानी अपनाते हुए गंभीर बीमारियों से बचाव कर सकता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही सशक्त समाज और समृद्ध राज्य की नींव होते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह द्वारा की गई इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर न केवल लोगों को जागरूक करते हैं, बल्कि उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदार बनने के लिए प्रेरित भी करते हैं।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया, संचालक स्वास्थ्य संजीव कुमार झा, सीजीएमएससी के प्रबंध संचालक रितेश अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

चेकिंग के दौरान कार से पुलिस ने पकड़े 75 लाख नकद, आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / महासमुंद

जिले में पुलिस की नियमित वाहन चेकिंग के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए कोमाखान पुलिस ने टेमरी नाका पर जांच के दौरान एक कार से 75 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। रकम के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर पुलिस ने नगदी, कार और मोबाइल सहित कुल 85 लाख 10 हजार रुपये की संपत्ति जब्त कर ली है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 16 मार्च 2026 को टेमरी नाका पर उड़ीसा के खरियार रोड की ओर से आ रही एक सफेद रंग की होण्डा कार (क्रमांक ओडी 05 पीबी 2122) को पुलिस ने रोककर जांच की। वाहन में सवार चालक ने अपना नाम राजेन्द्र महानंद (27 वर्ष) निवासी मुंडापला, थाना बेलपला, जिला बलांगीर (ओडिशा) बताया। वहीं चालक सीट के बगल में बैठे व्यक्ति ने अपना नाम महाप्रज्ञ जैन (47 वर्ष) निवासी वार्ड 02 डेली मार्केट कांटाबांजी, थाना कांटाबांजी, जिला बलांगीर (ओडिशा) बताया। पुलिस ने कार की तलाशी ली तो बीच की सीट पर रखे नीले रंग के बैग पर शक हुआ। बैग के बारे में पूछताछ करने पर महाप्रज्ञ जैन ने बताया कि उसमें सोना-चांदी के कारोबार से संबंधित नगदी रकम है, जिसे कांटाबांजी से रायपुर ले जाया जा रहा था। उन्होंने दावा किया कि यह रकम रायपुर के मनोहर मका एंड कंपनी और 60 ज्वेलर्स को देने के लिए ले जाई जा रही थी। पुलिस ने जब बैग की तलाशी ली तो उसके अंदर 500-500 रुपये के नोटों के कुल 150 बंडल मिले। प्रत्येक बंडल में 100 नोट थे। इस तरह बैग में कुल 75 लाख रुपये नकद रखे हुए पाए गए।

पुलिस ने नगदी के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएस) की धारा 94 के तहत नोटिस जारी किया। हालांकि पूछताछ के दौरान महाप्रज्ञ जैन कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके और उन्होंने लिखित में भी स्वीकार किया कि उनके पास संबंधित कागजात नहीं हैं।

इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कार, नगदी और मोबाइल फोन को जब्त कर लिया। जब्त संपत्ति में 75 लाख रुपये नकद, एक होंडा कार जिसकी अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई गई है तथा एक मोबाइल फोन जिसकी कीमत करीब 10 हजार रुपये है। इस तरह कुल 85 लाख 10 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है और नगदी रकम के स्रोत के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। आवश्यक कार्रवाई के बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।